R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 122
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 9 जनवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

3 फोनपे के 10 साल भारत को सशक्त बनाने के एक ... 5 अवैध मांस कारोबार का पर्दाफाश औराई में पाँच ... 7 सामंथा रुथ प्रभु की नई फिल्म 'मां इंटि बंगारम'...

सबका इलाज होगा! उधर चिल्लाते रह गए ट्रंप, इधर जयशंकर ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिका के साथ ट्रेड डील और भारी भरकम एकतरफा टैरिफ लगाए जाने के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा है कि यह पहली बार नहीं है, जब भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। लक्जमबर्ग के दौरे के वक्त वहां भारतीय में डायस्पोरा के साथ हुए संवाद में विदेश मंत्री ने एक सवाल के जवाब में ऐसा कहा। हालांकि इस दौरान उन्होंने अमेरिका का नाम नहीं लिया जयशंकर ने इस दौरान अटल बिहारी वाजपेयी के वक्त हुए 1998 के परमाणु परीक्षणों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस वक्त देश के राजनीतिक नेतृत्व ने जब ये फैसला लिया तो ये कोई आसान निर्णय नहीं था।

भारत के विदेश मंत्री ने कहा कि उस वक्त भी भारत के खिलाफ प्रतिबंध और दूसरे कड़े निर्णय देखे गए। जयशंकर ने आगे कहा कि देशों को इन सब चुनौतियों के बावजूद कड़े फैसले लेने पड़ते हैं और उन पर कायम रहना पड़ता है। इसके साथ ही विदेश मंत्री ने बिना नाम लिए अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा कि आज के वक्त में देश वही काम करते हैं. जिनसे उनका सीधा फायदा होता है, लेकिन दूसरों को फ्री की सलाह दी जाती है। जयशंकर ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि दशकों तक पाकिस्तान में आतंकी ट्रेनिंग कैंप मौजूद रहे। ये गुप्त तरीके से वहां मौजूद नहीं थे बल्कि पाकिस्तान के बड़े शहरों में चल रहे थे, वहां की सरकार और सेना ने आतंक को सपोर्ट किया। पाकिस्तान इसे इस तरह से नॉर्मलाइज करता है, जैसा कि ऐसा करना उनका अधिकार हो।

गौरतलब है कि भारत और अमेरिका के रिश्ते इस वक्त ऐसी ढलान पर हैं जहां तनाव हर बीतते दिन के साथ गहराता जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत के खिलाफ तीखी बयानबाजी और टेरिफ बढ़ाने की धमकियां अब सिर्फ जुबानी नहीं रही।यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत ने रूस से जमकर सस्ता कच्चा तेल खरीदा है। लेकिन अब अमेरिका इसे बर्दाश्त करने के मूड में नहीं। इस नए बिल के तहत एक बेहद खतरनाक प्रावधान जोड़ा गया है। अगर रूस शांति वार्ता के लिए नहीं झुकता तो रूस से तेल, गैस या यूरेनियम खरीदने वाले देशों पर अमेरिका 500इ तक का टेरिफ लगा सकता है। और क्योंकि भारत पर अमेरिका ने पहले ही रूसी तेल को लेकर अतिरिक्त टेरिफ लगाए हैं।

अंकिता भंडारी के माता-पिता से मिले मुख्यमंत्री धामी, बोले- बेटी को न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

देहरादून **(एजेंसी)**। उत्तराखंड पुलिस ने 2022 के अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े एक ऑडियो क्लिप को लेकर उठे विवाद के मद्देनजर पूर्व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक सुरेश राठौर की पत्नी अभिनेत्री उर्मिला सनावर से पूछताछ की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने एएनआई को बताया कि पुलिस ने उर्मिला सनावर के बयान दर्ज कर लिए हैं, जिन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड में एक 'वीआईपी' का नाम लेकर सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी थी। एसएसपी ने बताया कि देहरादून के नेहरू कॉलोनी और दलनवाला पुलिस स्टेशनों में उर्मिला के खिलाफ दर्ज मामलों में पुलिस ने उनसे पूछताछ की है और उनके बयान दर्ज किए हैं। उन्होंने आगे बताया कि उर्मिला द्वारा खुद सोशल मीडिया पर वायरल किए गए वीडियो के अलावा पुलिस को अभी तक कोई अन्य सबूत नहीं मिला है। एसएसपी ने यह भी बताया कि जांच अधिकारियों ने उर्मिला के बयानों की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग भी कर ली है। सनावर के खिलाफ देहरादून और हरिद्वार के कई पुलिस स्टेशनों में विभिन्न धाराओं के तहत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इससे पहले उर्मिला सनावर को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया था।

शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बहादराबाद पुलिस स्टेशन में उर्मिला सनावर और सुरेश राठौर के खिलाफ भाजपा नेता की छवि खराब करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। इससे पहले, मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अंकिता भंडारी के माता-पिता से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उनके साथ खड़ी है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवंगत बेटी अंकिता के माता-पिता के साथ आधिकारिक आवास पर एक बैठक हुई। इस दौरान, उन्हें उनकी मांगों पर कानूनी, निष्पक्ष और त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। हमारी सरकार पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इससे पहले, धामी ने कहा कि उत्तराखंड की बेटी को न्याय दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस मामले में पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ काम किया है। सचिवालय के मीडिया सेंटर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अंकिता भंडारी मामले से संबंधित सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जघन्य अपराध की निष्पक्ष और गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए महिला अधिकारी रेणुका देवी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था, जिसने मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर बोले पीएम मोदी

'यह सिद्धांतों से समझौता न करने वालों का उत्सव है'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर ओंकार और वैदिक मंत्रों से गूंज उठा, अरब सागर के ऊपर आसमान एक मेगा ड्रोन शो से जगमगा उठा, क्योंकि बुधवार को तटीय शहर में तीन दिवसीय 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' शुरू हो गया है, जो महमूद गजनवी द्वारा बार-बार की गई लूट के बावजूद मंदिर के लचीलेपन और पुनर्निर्माण की याद दिलाता है। राज्य सरकार के प्रवक्ता और कैबिनेट मंत्री जीतू वाघाणी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 जनवरी की शाम को सोमनाथ पहुंचेंगे और समारोह में हिस्सा लेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि बृहस्पतिवार से शुरू होने वाला 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' भारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "जय सोमनाथ! सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की आज से शुरुआत हो रही है। एक हजार वर्ष पूर्व, जनवरी 1026 में सोमनाथ मंदिर ने अपने इतिहास का पहला आक्रमण झेला था। साल 1026 का आक्रमण और उसके बाद हुए अनेक हमले भी हमारी शाश्वत आस्था को डिगा नहीं सके। बल्कि इनसे भारत की सांस्कृतिक एकता की भावना और सशक्त हुई और सोमनाथ का बार-बार पुनरोद्धार होता रहा।"

प्रधानमंत्री 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ की अपनी पिछली यात्राओं की कुछ तस्वीरों को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया। उन्होंने देशवासियों से भी अपील की कि अगर वे भी सोमनाथ गए हैं, तो अपनी तस्वीरें 'हैशटैग सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के साथ जरूर साझा करें। मोदी ने कहा, "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का यह अवसर, भारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया। समय कितना ही कठिन और भयावह क्यों ना रहा हो, उनका संकल्प हमेशा अडिग रहा।" उन्होंने कहा, "मैं 31 अक्टूबर 2001 को सोमनाथ में आयोजित एक कार्यक्रम की कुछ झलकियां भी साझा कर रहा हूं। यह वह साल था, जब हमने 1951 में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 50 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मनाया था। 1951 में यह ऐतिहासिक समारोह तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी की मौजूदगी में संपन्न हुआ था।" मोदी ने कहा, "सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार पटेल और केएम मुंशी के साथ ही कई महान विभूतियों के प्रयास अत्यंत उल्लेखनीय रहे हैं। वर्ष 2001 के इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल जी (अटल बिहारी वाजपेयी) और गृह मंत्री आडवाणी जी (लालकृष्ण आडवाणी) और कई गणमान्य लोग शामिल हुए थे।

इम्तियाज जलील पर हमला से भड़के ओवेसी बोले- औरंगाबाद की जनता पतंग से जवाब देगी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए चल रहे चुनाव प्रचार के बीच पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष इम्तियाज जलील पर हुए हालिया हमले की निंदा की और कहा कि औरंगाबाद के लोग उनकी पार्टी को वोट देकर जवाब देंगे। ओवैसी ने यहां पत्रकारों से कहा कि यह कायरतापूर्ण कृत्य उन लोगों ने किया है जिन्हें अपनी हार स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। इस वार्ड और औरंगाबाद के लोग पतंग का चिन्ह दबाकर जवाब देंगे। हमने प्रशासन से इसके पीछे के लोगों का पर्दाफाश करने को कहा है। इससे पहले दिन में, ओवैसी ने छत्रपति संभाजीनगर में आज़ाद चौक से बुद्धि लेन तक रोड शो किया और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए स्थानीय लोगों से मुलाकात की। जलील ने कहा कि हमें रैली की अनुमति मिली हुई थी। पुलिस मौजूद थी, लेकिन 20-25 गुंडे हथियार लेकर वहाँ पहुँचे और हमारे लोगों पर हमला कर दिया। उन्होंने हमारी गाड़ियों पर हमला किया। कुछ लोग घायल हो गए। उन्हें लगा कि इस तरह की गुंडागर्दी करके हम अपनी रैलियाँ रोक देंगे। हमने रैली पूरी की। हम लोकतंत्र में मिले अधिकारों के अनुसार शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव लड़ रहे हैं। जलील ने आरोप लगाया कि हिंसा चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास था और चेतावनी दी कि अगर एफआईआर दर्ज की जाती है और कार्रवाई की जाती है तो पार्टी शांतिपूर्ण बनी रहेगी, लेकिन अगर अधिकारी कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो आगे की कार्रवाई का फैसला पार्टी खुद करेगी।

तुर्कमान गेट पथराव : 5 आरोपियों को नहीं मिली राहत

दिल्ली की अदालत ने 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को तुर्कमान गेट पत्थरबाजी मामले में पांच आरोपियों मोहम्मद कैफ, कासिफ, अरीब, अदनान और समीर की न्यायिक हिरासत 13 दिनों के लिए बढ़ा दी। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) पूजा सुहाग ने सभी आरोपियों को 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में रहने की याद दिलाई। आरोपियों को एक दिन की न्यायिक हिरासत के बाद अदालत में पेश किया गया। सभी आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर संबंधित अदालत में शुक्रवार को सुनवाई होगी।

यह घटना बुधवार को तुर्कमान गेट के पास अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हुई, जब कथित तौर पर पत्थर फेंके गए थे। हिंसा के बाद दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर उसी दिन पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। अभियुक्त समीर और अदनान की ओर से अधिवक्ता नदीम खान पेश हुए। अभियुक्त अरीब, कासिफ और कैफ की ओर से अधिवक्ता असद मिर्जा बेग पेश हुए।

न्यायिक हिरासत के नियमों के अनुसार, अधिवक्ता आबिद अहमद द्वारा सर्दियों के कपड़े उपलब्ध कराने की अनुमति के लिए दायर आवेदन को भी अदालत ने स्वीकार कर लिया।यह घटना दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद रामलीला मैदान के पास फैज-ए-इलाही मस्जिद के निकट एमसीडी द्वारा चलाए गए अतिक्रमण-विरोधी अभियान के दौरान घटी।दिल्ली पुलिस के अनुसार, शांति बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अमन कमेटी के सदस्यों और अन्य स्थानीय हितधारकों के साथ कई समन्वय बैठकें आयोजित करने के बाद 7 जनवरी की सुबह अतिक्रमण हटाया गया।

इस बीच, दिल्ली पुलिस ने तुर्कमान गेट से वायरल हुआ पहला सीसीटीवी फुटेज साझा किया, जिसमें घटना के दौरान फेज-ए-इलाही मस्जिद चौक दिखाई दे रहा है। फुटेज में पुलिस के आगे बढ़ने पर नकाबपोश लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में पत्थरबाजों को दूसरी तरफ भागते और पुलिस पर पत्थर फेंकते हुए भी देखा जा सकता है।

निकम्मे गृह मंत्री : ईडी ने कहां मारा छापा? अमित शाह पर बुरी तरह भड़क गईं ममता

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता स्थित आई-पैक कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कड़ी निंदा की है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी पार्टी के दस्तावेज ले गई है और भाजपा को चेतावनी दी है कि उनके राज्य कार्यालय पर भी इसी तरह की छापेमारी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले उनकी पार्टी के बारे में जानकारी जुटाने के लिए छापेमारी कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा क्या ईडी और अमित शाह का यह कर्तव्य है कि वे पार्टी की हार्ड डिस्क और उम्मीदवारों की सूची जब्त करें? ये निकम्मे गृह मंत्री, जो देश की रक्षा नहीं कर सकते, मेरी पार्टी के सारे दस्तावेज ले जा रहे हैं। अगर मैं भाजपा के कार्यालय पर छापा मारूं तो क्या होगा? एक तरफ वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर (सूचना, सूचना और निरीक्षण) करके सभी मतदाताओं के नाम मिटा रहे हैं... चुनावों के कारण वे मेरी पार्टी के बारे में सारी जानकारी जुटा रहे हैं। ईडी का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा नवंबर 2020 में दर्ज की गई प्राथमिकी से उपजा है, जिसमें बंगाल के आसनसोल और उसके आसपास के कुनुस्तोरिया और काजोरा क्षेत्रों में ईस्टर्न कोलफील्ड्स की खदानों से संबंधित कई करोड़ रुपये के कोयले की चोरी का आरोप लगाया गया था। स्थानीय कोयला व्यापारी अनूप मांझी उर्फ लाला इस मामले में मुख्य संदिग्ध है। ईडी ने इससे पहले तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी (38) से पूछताछ की थी, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं। ईडी ने दावा किया कि अवैध कोयला व्यापार से प्राप्त धन के वह लाभार्थी हैं।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों से पहले चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने आई-पैक की स्थापना की थी। बाद में उन्होंने जन सुराज नामक एक राजनीतिक दल बनाया, जिसे पिछले साल हुए बिहार विधानसभा चुनावों में एक भी सीट पर जीत नहीं मिली। इस परामर्श फर्म ने 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद तृणमूल कांग्रेस और पश्चिम बंगाल सरकार के साथ काम किया था। तृणमूल और पश्चिम बंगाल सरकार के लिए 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए कार्यों से संबंधित एक टैब आई-पैक की वेबसाइट पर साझा किया गया है, जिसका शीर्षक है दीदी-आर 10 ओंगीकर।

अकाली दल-कांग्रेस और बीजेपी मिलकर भी मुझे रोक नहीं पाएंगे

नए ज़िला परिषद-ब्लॉक समिति सदस्यों को संबोधित करते हुए बोले मुख्यमंत्री मान

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। नए चुनें गए ज़िला परिषद और ब्लॉक समिति सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय पार्टी है जो सिर्फ काम के नाम पर व्होट माँगती है। अकाली दल-कांग्रेस और बीजेपी एक साथ है, ये भगवंत मान को रोकना चाहते हैं लेकिन रोक नहीं पायेंगे। आपमें से ही कई लोग विधानसभा तक भी जाएँगे। आम आदमी पार्टी एक अनुशासित पार्टी है। दूसरी पार्टी वालों को तो माघी मेले में भाषण देने के लिए भी लोग नहीं मिल रहे हैं। बीजेपी, कांग्रेस और अकाली दल को वोट मत दे देना, यह पंजाब को बर्बाद कर देंगे। पिछली सरकारों ने पंजाब को नशे के जाल में फंसा दिया था। हमारी सरकार ने राज्य को नशा मुक्त बनाने का अभियान चलाया और बड़े-बड़े नशा तस्करों को जेल में डाल दिया है। मेरी जनता से अपील है कि नशा तस्करों को संरक्षण देने वाली पार्टियों को वोट मत देना, यह पंजाब को फिर से बर्बाद कर देंगे। अगर इन लोगों को वोट दे दिया तो आपको फ्री बिजली मिलना बंद हो जाएगी, मोहल्ला क्लीनिक और स्कूल बंद हो जायेंगे। युवाओं को नौकरियां मिलना बंद हो जाएंगी।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी उन आम लोगों को चुनावी टिकट देने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने काम के जरिए जनता का विश्वास और समर्थन हासिल करते हैं लुधियाना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आप पारंपरिक राजनीतिक दलों से अलग है क्योंकि यह पैसे, प्रभाव या पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर टिकट नहीं बांटती है। केजरीवाल ने एएनआई से कहा कि आम आदमी पार्टी आम लोगों को टिकट देने वाली पार्टी है। टिकट केवल आपके काम के आधार पर ही मिलता है। केजरीवाल जनता के चहेते उम्मीदवार को ही टिकट देंगे।

आप के संस्थापक सिद्धांतों को दोहराते हुए केजरीवाल ने कहा कि पार्टी का गठन आम पृष्ठभूमि के ईमानदार और सक्षम व्यक्तियों को राजनीति में लाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और जन-केंद्रित शासन के लिए किया गया था।

इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए उसे पंजाब विरोधी और सिख विरोधी बताया। मुख्यमंत्री मान ने पार्टी से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की, जिसे उन्होंने आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी के वीडियो में गुरु तेग बहादुर के नाम के दुरुपयोग से जुड़ा एक 'शर्मनाक कृत्य' बताया।

एक्स पर एक पोस्ट में मान ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अतीशी के ऐसे शब्द जोड़े हैं जो उन्होंने कभी नहीं बोले और गुरु तेग बहादुर जी का नाम गलत तरीके से जोड़कर पूज्य सिख गुरु का अपमान किया है। पोस्ट में लिखा था, 'भारतीय जनता पार्टी हमेशा से पंजाब और सिखों के खिलाफ रही है। आज फिर उसका पंजाब-विरोधी और सिख-विरोधी चेहरा सामने आ गया है, जब उन्होंने अतीशी जी के वीडियो में - वे शब्द जो उन्होंने बोले ही नहीं - गुरु साहब का नाम जोड़कर गुरु साहब का अपमान किया है।

आई-पीएसी पर ईडी छापेमारी : कुणाल घोष का भाजपा पर बड़ा हमला, 'वोट नहीं तो अब डेटा चोरी की साजिश'

कोलकाता **(एजेंसी)**। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता कुणाल घोष ने गुरुवार को कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन ईडी द्वारा आई-पीएसी कार्यालय पर की गई छापेमारी के बाद हुआ। यह घटनाक्रम आई-पीएसी के कोलकाता कार्यालय में हुई एक नाटकीय घटना के बाद सामने आया है, जहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले के सिलसिले में छापेमारी की थी। विरोध प्रदर्शन के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए घोष ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राजनीतिक साजिश का आरोप लगाया और दावा किया कि चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी पार्टी को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। घोष ने कहा कि जब 'वोट चोर' भाजपा ने देखा कि उसकी 'वोट चोरी' विफल हो रही है, तो उन्होंने 'डेटा चोरी' की यह साजिश रची। जांच के समय पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आगे कहा अब जिन मामलों का जिक्र हो रहा है, उनकी अब तक जांच क्यों नहीं हुई? कोलकाता स्थित आई-पीएसी कार्यालय में ईडी की कार्रवाई का जिक्र करते हुए टीएमसी नेता ने कहा कि फर्म पार्टी के सलाहकार के रूप में काम कर रही थी और उन्होंने चुनाव प्रचार से संबंधित संवेदनशील जानकारी हासिल करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। घोष ने पत्रकारों से कहा कि आई-पीएसी हमारा सलाहकार है और आज हमारे चुनाव प्रचार से संबंधित डेटा और योजना चुराने का प्रयास किया गया है। इस विरोध प्रदर्शन में टीएमसी के कई कार्यकर्ता और नेता शहर में इकट्ठा हुए और ईडी और सीबीआई के खिलाफ नारे लगाते हुए केंद्रीय एजेंसियों पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया।

जिलाधिकारी ने पानी की टंकी एवं पंप हाउस का किया निरीक्षण दिए दिशा निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा नगर पालिका सिद्धार्थनगर के पूरब पड़ाव एवं परशुराम नगर वार्ड नम्बर 07 में पानी की टंकी एवं पम्प हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पूरब पड़ाव में पाइप लाइन में लीकेज पाया गया जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने अधि0 अधि0 नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर को तत्काल ठीक कराने का निर्देश दिया। इसे माध्यम से 06 मोहल्लों में पानी की सप्लाई होती है। पानी की सप्लाई हो रही थी। कस्टम आफिस में सप्लाई हो रही पानी की जांच की गयी गुणवत्ता ठीक पाया गया। परशुराम नगर वार्ड नम्बर 07 में पानी की टंकी की साफ सफाई हो रही थी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति की हुई बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में जिला स्तरीय पोषण समिति/जिला कन्वर्जेस समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा विगत माह के बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा की गयी। आंगनबाड़ी केन्द्रो के भवन निर्माण के प्रगति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने डीपीओ एवं डीसी एनआरएलएम को संयुक्त रूप से टीएचआर प्लान्ट का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। टीएचआर प्लांट द्वारा जो पोषाहार का उत्पादन किया गया है उसको सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर समय से उपलब्ध करायें जिससे लाभार्थियों को समय से पोषाहार का वितरण हो सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि लाभार्थियों का फेस वेरीफिकेशन शतप्रतिशत पूर्ण करायें तथा सभी लाभार्थियों को पोषाहार का वितरण करायें। जिलाधिकारी ने टेक होम राशन वितरण में 50 प्रतिशत प्रगति

वाले सीडीपीओ का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं समस्त सीडीपीओ को आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करने के साथ जिन आंगनबाड़ी केन्द्रों की प्रगति कम हैं उनकी मानीटरिंग करने तथा निरीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बच्चो का वजन कराने तथा पोषण ट्रैकर पर अपलोड कराने का निर्देश दिया। गर्भवती महिलाओ, धात्री महिलाओं एवं बच्चों में पुष्टाहार का वितरण कराने का निर्देश दिया। इस कार्य में लापरवाही पाये जाने पर सुपरवाइजर/आंगनबाड़ी कार्यकत्री पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं का डाटा स्वास्थ्य विभाग व कार्यक्रम विभाग का एक समान होना चाहिए। हॉटकुक्ड मील आंगनबाड़ी केन्द्रो के 0-3 वर्ष के बच्चो को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त सी.डी.पी.ओ./सुपरवाइजर को निर्देश दिया कि वीएचएनडी के माध्यम से सैम मैम बच्चों, गर्भवती महिलाओ का स्वास्थ्य परीक्षण कराने का निर्देश दिया। अतिकुपोषित बच्चो को एनआरसी में भर्ती कराने का निर्देश दिया। सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रो पर आर0ओ0/पोषण वाटिका, विद्युत कनेक्शन, पेयजल, हैण्डवाश, बाला पेन्टिंग, रैम्प आदि कराने का निर्देश दिया। आंगनबाड़ी केन्द्रो पर बच्चो के खेलने की सामग्री उपलब्ध कराने निर्देश दिया। आदर्श आंगबाड़ी केन्द्रो को गोद लेकर कुपोषण मुक्त बनाने हेतु निर्देश दिया। पोषाहार वितरण का डाटा समय से पोर्टल पर फीड कराने का निर्देश दिया।इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त डीसी मनरेगा संदीप सिंह, डीसी एनआरएलएम देवनन्दन दूबे, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, समस्त सी0डी0पी0ओ0, सुपरवाइजर व अन्य संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

परमार्थ निकेतन में विदेशी सैलानियों का आगमन आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैश्विक संवाद का केन्द्र

मंत्र भारत संवाददाता

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन आज न केवल भारत का, बल्कि विश्व का एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र बन चुका है। गंगा तट पर स्थित यह आश्रम प्रतिवर्ष हजारों विदेशी सैलानियों, साधकों, शोधार्थियों और योग प्रेमियों को आकर्षित करता है। परमार्थ निकेतन में विदेशी सैलानियों का आगमन केवल पर्यटन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की आध्यात्मिक विरासत, सनातन संस्कृति और मानवीय मूल्यों के वैश्विक विस्तार का सशक्त प्रतीक है। विदेशी सैलानी यहां योग, ध्यान, प्राणायाम, वेदांत, आयुर्वेद और भारतीय जीवन-दर्शन को निकट से अनुभव करने आते हैं। अनेक देशों से आए सैलानी यहां के योग शिविरों, सत्संग, गंगा आरती और साधना कार्यक्रमों में भाग लेकर आत्मिक शांति और जीवन के अर्थ की खोज करते हैं। परमार्थ निकेतन उनके लिए केवल एक आश्रम नहीं, बल्कि आत्म-परिवर्तन की प्रयोगशाला है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि परमार्थ निकेतन में विदेशी सैलानियों का आगमन एक वैश्विक चेतना का प्रतीक है, जहां सीमाएं मिटती हैं, संस्कृतियां जुड़ती हैं और मानवता एक सूत्र में बंधती है। यह आश्रम भारत की सनातन परंपरा को विश्व के हृदय तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है, और आने वाले समय में इसकी भूमिका और भी व्यापक एवं प्रभावशाली होगी।

डीएम ने अधिकारियों को गौशालाओ में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित बनाए रखने के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में गोसंरक्षण के सम्बन्ध में जिलास्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी पशु चिकित्साधिकारियां को नियमित रूप से गौशालाओं का निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित बनाएं रखने के निर्देश दिए। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारियों एवं पशु चिकित्साधिकारियां से गौशालाओं में गोवशों को ठण्ड से बचाव के लिए की गई व्यवस्थाओं-काऊ कोट/बोरा, हैलोजन लाइट, तिरपाल आदि की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित बनाए रखी जाय। इसके साथ ही उन्होंने गौशालाओं में पर्याप्त भूसा-चारा की उपलब्धता एवं सी.सी.टी.वी. की क्रियाशीलता सुनिश्चित रखने के निर्देश देते हुए कहा कि कहीं से भी कोई शिकायत न प्राप्त होने पाए। उन्होंने उप कृषि निदेशक, खण्ड विकास अधिकारी एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को गौशालाओं के लिए चिन्हित चारागाहों में हरे चारे के उत्पादन में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

डीएम ने बीडीओ को प्रभावी तरीके से जन-सुनवाई एवं मौके पर जाकर शिकायतों का निस्तारण करने के दिए निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में ग्राम्य विकास के कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। जिलाधिकारी ने मनरेगा की समीक्षा के दौरान उपायुक्त मनरेगा को 100 दिवस रोजगार एवं मानव दिवस सृजन में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन ऑगनबाड़ी केन्द्रों एवं अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान सभी खण्ड विकास अधिकारियां को निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान उपायुक्त एन.आर.एल.एम. को समूह गठन, रिवाल्विंग फण्ड, सामुदायिक निवेश निधि एवं कैश क्रेडिट लिंकेज में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास/मुख्यमंत्री आवास योजना के अधूरे आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी खण्ड विकास अधिकारियों से कहा कि प्रभावी तरीके से जन-सुनवाई किया जाय तथा प्राप्त शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर भी किया जाय।

गरीब कल्याण संस्था के सदस्यों ने गरीब असहाय लोगों में वितरण किया कंबल

सिद्धार्थनगर। जिले के विधानसभा क्षेत्र 302 शोहरतगढ़, वार्ड नंबर 10 के अंतर्गत ग्राम पंचायत पचमोहिनी, टोला मुडिला में गरीब और जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ठंड से राहत पाने वाले लोगों में खास तौर पर बुजुर्ग, महिलाएं और अत्यंत गरीब परिवार शामिल रहे।यह कंबल वितरण कार्य गरीब कल्याण संस्था के सभी सदस्यों के दिशा-निर्देश पर किया गया। संस्था बीते आठ वर्षों से लगातार जरूरतमंदों की सहायता करती आ रही है। संस्था क्षेत्र भ्रमण के दौरान जरूरत के हिसाब से मदद पहुंचाती है, जिससे गरीबों और बेसहारा लोगों को समय पर राहत मिल सके।कार्यक्रम के दौरान संस्था के अध्यक्ष एवं समाजसेवी रामगोपाल यादव ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की सेवा करना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जब तक जरूरतमंद लोग हैं, तब तक संस्था अपनी सेवा जारी रखेगी।कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। स्थानीय लोगों ने गरीब कल्याण संस्था और अध्यक्ष रामगोपाल यादव के इस सराहनीय कार्य की खूब तारीफ की और इसे मानवता की सच्ची सेवा बताया।

जिलाधिकारी ने की खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा

पूर्ति निरीक्षक कड़ा को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान जिलापूर्ति अधिकारी को 03 रिक्त उचित दर दुकानों को नियमानुसार शीघ्र नियुक्ति कराने के निर्देश देते हुए कहा कि दुकान रिक्त होने के एक माह के अन्दर नियुक्ति की कार्यवाही पूर्ण करा लिया जाय। उन्होंने ई.के.वाई.सी. में शत-प्रतिशत प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि पात्र लोगों को राशन कार्ड से लाभान्वित किया जाय, किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाय। उन्होंने निर्माणाधीन अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए हैं।

उन्होंने ग्राम केसारी के निरीक्षण के दौरान पात्र लोगों के राशन कार्ड बनाए जाने के कार्य में लापरवाही पाए जाने पर पूर्ति निरीक्षक कड़ा को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

पुलिस द्वारा जबरन वसूली व मारपीट के आरोपी को किया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत, प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में, रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बांसी के कुशल पर्यवेक्षण में व मीरा चौहान थानाध्यक्ष थाना जोगिया उदयपुर मय टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 02/2026 धारा 308(5) बीएनएस व 3(1)द, 3(2)न एससी/एसटी एक्ट से संबंधित अभियुक्त को जोगिया चौराहा से राममोहन उर्फ मोहन यादव पुत्र ओमप्रकाश निवासी जोगिया को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय भेजा।

ग्रो म्यूचुअल फंड ने पेश किया ग्रो स्मॉल कैप फंड

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ग्रो म्यूचुअल फंड ने ग्रो स्मॉल कैप फंड लॉन्च करने की घोषणा की। यह ओपन-एंडेड इक्विटी योजना है जो मुख्य रूप से स्मॉल कैप शेयरों में निवेश करेगी। नई फंड पेशकश (एनएफओ) 08 जनवरी से 22 जनवरी, 2026 तक खुली रहेगी। इस योजना का लक्ष्य है, ग्रो म्यूचुअल फंड के क्यूजीएआरपी ढांचे - तर्कसंगत मूल्य पर गुणवत्ता और वृद्धि (क्वालिटी एंड ग्रोथ एट ए रीज़नेबल प्राइस) से प्रेरित और अनुशासित बॉटम-अप (बुनियादी तत्वों के आधार पर) निवेश दृष्टिकोण के ज़रिये मज़बूत, विस्तारयोग्य स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश कर दीर्घकालिक स्तर धन सृजन करना। भारत की अर्थव्यवस्था में भारी बदलाव आ रहा है और मज़बूत भौतिक, वित्तीय और प्रौद्योगिकी क्षमताएं सभी आकार के व्यवसायों के लिए नए तरह के अवसर तैयार कर रही हैं। बुनियादी ढांचे पर बढ़ते परिव्यय, पूंजी बाजार के विस्तार, औपचारिक ऋण तक बेहतर पहुंच, और बड़े पैमाने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म से छोटी कंपनियों के आड़े आने वाली ऐतिहासिक कमियां दूर हो रही हैं।

मनसैता में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ, भव्य कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

थरवई। क्षेत्र के मनसैता गांव में श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा निकाली गई। मुख्य यजमान रमाकांत शुक्ल एवं श्रीमती सुमन शुक्ला के नेतृत्व में निकली कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित किया।कलश यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गई। सिर पर कलश धारण किए महिलाएं भजन-कीर्तन करते हुए चल रही थीं, वहीं पुरुष श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए साथ चल रहे थे। पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण बना गया कलश यात्रा में शिवाकांत शुक्ला, कृष्णकांत शुक्ला, रमेश चंद्र शुक्ला, राकेश मिश्रा, निखिल, सचिन, सौरभ, सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।कलश यात्रा के साथ ही श्रीमद् भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ किया गया।

सामाजिक समरसता और जन-जागरूकता का महाजुटान है माघ मेला : डॉ शिशिर कुमार सोमवंशी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। गंगा-यमुना के पावन संगम से जुड़ी आस्था और सांस्कृतिक चेतना को शब्द देने के लिए उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गुरुवार को साहित्य एवं संस्कृति संगोष्ठी में विद्वानों ने माघ मेले की आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डाला। केंद्र निदेशक श्री सुदेश शर्मा एवं उपस्थित वक्ताओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। संगोष्ठी में 'माघ मेला : सांस्कृतिक सरोकारों का महापर्व' विषय पर विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्य वक्ता डॉ. संजय सिंह (शिशिर कुमार सोमवंशी) ने कहा कि माघ मेला प्रयागराज केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की अटूट आस्था, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह महाजुटान राष्ट्रोपयोगी कार्यों, सामाजिक समरसता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वहीं डॉ. संदीप मिश्र ने वैदिक मान्यताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पवित्र नदियों में स्नान करने से मनुष्य निष्काम और निश्चल होता है तथा धर्म की ओर उन्मुख होता है। उन्होंने कहा कि माघ मास में किया गया स्नान विशेष फलदायी माना गया है, यही कारण है कि देश-विदेश से श्रद्धालु त्रिवेणी संगम पर एकत्रित होते हैं। माघ मास में संगम तट पर नियम और संयम के साथ जीवन व्यतीत करने वाले श्रद्धालु कल्पवासी कहलाते हैं, जो तपस्वी जीवन का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। प्रो. कुमार वीरेंद्र ने कहा कि हिंदी पंचांग के अनुसार माघ मास में सूर्य का मकर राशि में प्रवेश सनातन धर्मावलंबियों के लिए विशेष महत्व रखता है। यह समय जप, तप और साधना के माध्यम से मनुष्यता की अनुभूति का होता है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में नदियों को माता का दर्जा दिया गया है, क्योंकि वे निर्मलता और सहनशीलता का प्रतीक हैं।

इसी क्रम में ब्रह्मनाद कला प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में 13, मूर्तिकला में 3 तथा गायन प्रतियोगिता में 12 प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के अंत में केंद्र निदेशक श्री सुदेश शर्मा ने सभी वक्ताओं को अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम सलाहकार श्रीमती कल्पना सहाय ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर डॉ. श्लेष गौतम, मनोज गुप्ता, संगीत रॉय, रविंद्र कुशवाहा (सदस्य, राज्य ललित कला अकादमी), डॉ. सचिन सैनी, कावेरी विज सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शुद्धि-सूचना

सर्वधारण का सूचित किया जाता है कि प्रांजल कुमार यादव (PRANJAL KUMAR YADAV) के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश प्रांजल अंकित है जो कि गलत है, सही नाम प्रांजल कुमार यादव (PRANJAL KUMAR YADAV) है जो कि आधार कार्ड/विद्यालय द्वारा जारी प्रमाण पत्र मे भी अंकित है, वास्तव मे लिखत-पढ़त में प्रांजल कुमार यादव (PRANJAL KUMAR YADAV) को ही सत्य माना जाए जो कि मेरी निजी जानकारी मे सत्य व सही हैं।

(नीरज कुमार)
पुत्र श्री राम यादव
निवासी - c/o खेम चन्द्र शर्मा
बी-755 जी0डी0 कालोनी मयूर विहार फेस-3 पूर्वी दिल्ली।

जिलाधिकारी ने की जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी से कहा कि पौधारोपण अभियान के दौरान रोपित पौधों की जीवितता प्रतिशत एवं सुरक्षा का सत्यापन रिपोर्ट सम्बन्धित अधिकारियों से समन्वय कर प्राप्त कर लिया जाय। उन्होंने ग्रामों में ग्रीन चौपाल के आयोजन की स्थिति की समीक्षा के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी से कहा कि ग्रीन चौपाल में प्राप्त मुख्य सुझावों को आगामी बैठक में रखा जाय। उन्होंने प्रभागीय वनाधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी, दारानगर - कड़ाधाम से कहा कि गंगा घाटों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए कार्ययोजना बनाकर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाय तथा इस कार्यक्रम में विद्यालयों के बच्चों एवं आमजन को भी शामिल किया जाय। उन्होंने अधिशासी अधिकारी से कहा कि कुबरी घाट पर गंदगी करने वालों के विरूद्ध जुर्माना लगाया जाय।

कड़ाके की ठंड और शीतलहर में गरीबों की मदद के लिए भाजपा नेताओं ने किया कंबल वितरण

सिद्धार्थनगर। जिले की बांसी विधानसभा क्षेत्र के विकास खण्ड खेसरहा के घोषियारी बाजार स्थित मौर्या मैरेज हाल व मिठवल विकास खंड के तिलौली बजार स्थित मेवाती देवी इंटर कालेज में विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री जय प्रताप सिंह द्वारा विशाल कंबल वितरण अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत 600 जरूरतमंदों, गरीबों और बुजुर्गों, दिव्यांग के बीच गर्म कंबलों का वितरण किया गया. इस मानवीय पहल का उद्देश्य समाज के सबसे कमजोर वर्गों को ठंड से राहत दिलाना और उन्हें सुरक्षित महसूस कराना था. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री विधायक जय प्रताप सिंह जी एवं विशिष्ट अतिथि उप जिलाधिकारी निखिल चक्रवर्ती तथा कुंवर अभय प्रताप सिंह ने किया, विधायक जय प्रताप सिंह ने कहा कि 'मानवता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है' और हर साल की तरह इस बार भी हमारा लक्ष्य है कि कोई भी व्यक्ति ठंड से परेशान न हो. कंबल पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी और संतोष देखा गया, और उन्होंने इस नेक कार्य के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया । कम्बल वितरण के दौरान खेसरहा मण्डल अध्यक्ष दिवाकर मिश्रा , मिठवल मंडल अध्यक्ष विश्वनाथ पांडे के नेतृत्व में कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मिठवल ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ दशरथ चौधरी , प्रभाष्कर राय, आशुतोष मिश्रा, भोला मिश्रा, पूसई मिश्रा, नारद मिश्रा, संदीप पांडेय, नित्यानंद पांडेय, चन्दन पांडेय, अवनीश अग्रहरी, शुभम पाठक , बृजेश चौधरी , श्री निवास चौधरी नरेंद्र चौधरी , शिवम राजभर, पंकज श्रीवास्तव, जनक राम चौधरी, वशिष्ठ मिश्रा, कृष्णनाथ मिश्रा, सतीशधर द्विवेदी गणमान्य मौजूद रहे, जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।यह कंबल वितरण अभियान न केवल जरूरतमंदों को गर्मी प्रदान करता है, बल्कि समाज में सेवा और एकजुटता की भावना को भी मजबूत करता है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या:- 68-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 दिनांक : 05.01.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 28.01.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

निविदा सूचना संख्या : ELG-135-2526	काम की लागत (रू में) : 10276973.16
कार्य का नाम : "टूंडला : टूंडला में अस्पताल में सुधार और CMS ऑफिस के प्रावधान" से संबंधित विद्युत कार्य। "ETW: ADEN/ETW के तहत 04 यूनिट टाइप-III क्वार्टर और 03 यूनिट टाइप-IV क्वार्टर का निर्माण" से संबंधित विद्युत कार्य।	
बिड सिक्योरिटी (रू में) : 201400.00	
निविदा सूचना संख्या : ELG-136-2526	काम की लागत (रू में) : 8936653.10
कार्य का नाम : "ADEN/L/CNB के तहत PNKD स्टेशन पर 3-यूनिट टाइप-IV क्वार्टर और BPU, MTO, RRH सेक्शन में 1-1 क्वार्टर के प्रावधान" से संबंधित विद्युत कार्य । "ADEN/HQ-II/CNB के तहत लोको नॉर्थ रेलवे कॉलोनी में तोड़े गए क्वार्टरों की जगह 6 यूनिट टाइप-IV क्वार्टर के प्रावधान" से संबंधित विद्युत कार्य। और "DER स्टेशन और NTPC/DER के बीच LC गेट्स की मैनिंग" से संबंधित विद्युत कार्य।	
बिड सिक्योरिटी (रू में) : 178700.00	
निविदा सूचना संख्या : ELG-137-2526	काम की लागत (रू में) : 5269666.00
कार्य का नाम : विभिन्न सुविधाएं देकर लिफ्ट में सुरक्षा में सुधार। (सीसीटीवी कैमरा, पुश टू टॉक सिस्टम, ग्रेनाइट फर्श, निर्देश और नेम बोर्ड आदि)। प्रयागराज डिवीजन में लिफ्ट में मैनुअल बचाव अभियान के लिए लीवर टाइप ब्रेक रिलीज मैकेनिकल सिस्टम का प्रावधान।	
बिड सिक्योरिटी (रू में) : 105400.00	
निविदा सूचना संख्या : ELG-138-2526	काम की लागत (रू में) : 6210554.22
कार्य का नाम : "प्रयागराज: ADEN/FTP के तहत KBN स्टेशन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (MEA) में कमी को पूरा करने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2/3 को ऊंचे लेवल तक उठाने, KGA और CHK स्टेशन पर Pway स्टोर शेड के निर्माण" के कार्य से संबंधित विद्युत कार्य।	
बिड सिक्योरिटी (रू में) : 124200.00	
निविदा सूचना संख्या : ELG-139-2526	काम की लागत (रू में) : 5205835.72
कार्य का नाम : "पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन - DDU (दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन) पर 30 बेड के रनिंग रूम और लॉबी के प्रस्ताव" के काम से संबंधित विद्युत कार्य।	
बिड सिक्योरिटी (रू में) : 104100.00	
निविदा खुलने की तिथि : 28.01.2026, समय - 15:00 बजे	
कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 Month	

नोट :- उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 41/26 (AS)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

डीएलएड में आनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का प्रवेश तय, कुल सीटों के सापेक्ष आधे हुए है आनलाइन आवेदन

आवेदन करने वाले सभी अभ्यर्थी पहले चरण में स्टेट रैंक के आधार पर 12 से संस्थान का भरें विकल्प

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्राथमिक शिक्षक भर्ती के लिए अनिवार्य डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) - 2025 में प्रवेश के लिए संस्थान के विकल्प वेबसाइट- updeled.gov.in के माध्यम से भरे जाएंगे। सबसे बडी बात यह है कि डीएलएड में कुल 2.39 लाख सीट है जबकि इस बार आनलाइन 1, 24, 230 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है ऐसे में काउंसलिंग में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों का शत प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित है।

उत्तर प्रदेश परीक्षा नियामक प्राधिकारी सचिव की ओर से रजिस्ट्रार ने समय सारिणी जारी कर दी गयी है। प्रवेश प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जाएगी। आवेदन करने वाले सभी 1, 24, 230 अभ्यर्थी पहले चरण में स्टेट रैंक के आधार पर 12 जनवरी से संस्थान का विकल्प भर सकेंगे। स्टेट रैंक आठ जनवरी को वेबसाइट पर जारी की जाएगी। स्टेट रैंक एक से 20, 000 तक के अभ्यर्थी 12 जनवरी से 14 जनवरी तक संस्थान का विकल्प चुन सकेंगे, जिन्हें 15 जनवरी को कालेज / संस्थान आवंटित किया जाएगा। रैंक 20, 001 से 70, 000 तक के अभ्यर्थी 15 जनवरी शाम से 18 जनवरी तक विकल्प भरेंगे, जिन्हें संस्थान 19 को आवंटित होगा।

सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि इस अवधि में रैंक 20, 000 तक विकल्प ना पाने वाले व जिन्हें संस्थान आवंटित न हुआ हो, वह अभ्यर्थी भी विकल्प भर सकेंगे। इसके बाद 19 जनवरी शाम से 22 तक रैंक 70, 001 से 1, 24, 230 तक के आवेदक संस्थान चुनेंगे। इन्हें 23 को संस्थान आवंटित होगा। यह सभी 17 से 30 जनवरी शाम पांच बजे तक प्रवेश ले सकेंगे। दूसरे चरण में पांच फरवरी शाम से आठ फरवरी तक अन्य राज्य के आवेदक अभ्यर्थी तथा आरक्षित श्रेणियों के प्रवेश न पाने वाले उत्तर प्रदेश के निवासी भी संस्थान का विकल्प चुन सकेंगे, जिन्हें संस्थान नौ फरवरी को आवंटित किया जाएगा।

सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि इसी तरह नौ फरवरी शाम से 12 फरवरी तक सभी आवेदकों को अवसर देने के बाद आरक्षित श्रेणियों के अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने पर रिक्त सीटों को अनारक्षित में परिवर्तित कर 13 फरवरी को कालेज आवंटित किया जाएगा। यह अभ्यर्थी 11 से 21 फरवरी शाम पांच बजे तक प्रवेश ले सकेंगे। प्रवेश के समय अभ्यर्थियों को समस्त अभिलेखों के साथ कालेज में उपस्थित होना होगा। शुल्क सहित प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में अभ्यर्थियों को वेबसाइट पर उपलब्ध दिशा -निर्देश पढ़ने की सलाह दी गई है, क्योंकि शुल्क वापसी नहीं की जाएगी।

सपा के महानगर इकाई की मासिक बैठक सम्पन बैठक में मतदाता सूची में नाम बढ़ाने को लेकर बनी ठोस रणनीति

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी महानगर इकाई की मासिक बैठक आज पार्टी कार्यालय जार्ज टाउन में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन एवं संचालन महासचिव रविन्द्र यादव एडवोकेट ने किया।

बैठक में चर्चा करते हुए नेताओं ने कहा कि एंिं (एजर्मित घ्हूाहेग्न ा-नेग्दह) के बाद भी बड़ी संख्या में ऐसे युवा, महिलाएं एवं वंचित वर्ग के लोग हैं, जिनके नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाए हैं। लोकतंत्र को मजबूत करने और हर नागरिक को मतदान का अधिकार दिलाने के लिए मतदाता सूची का समावेशी होना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से समाजवादी पार्टी ने जमीनी स्तर पर अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

बैठक में महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन द्वारा बताया गया कि चुनाव आयोग से प्राप्त फॉर्म-6 के माध्यम से नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर पात्र नागरिकों की पहचान करेंगे, उन्हें फॉर्म-6 भरने में सहयोग करेंगे और समयबद्ध ढंग से संबंधित निर्वाचन कार्यालयों में फार्म जमा कराएंगे। विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं, नवविवाहित महिलाओं तथा हाल ही में स्थानांतरित हुए नागरिकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

बैठक को संबोधित करते हुए एमएलसी एवं महानगर प्रभारी डॉ मानसिंह यादव ने कहा कि यह कार्य केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी भी है। समाजवादी पार्टी हमेशा से जनभागीदारी और सामाजिक न्याय की पक्षधर रही है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाना नागरिक अधिकारों की रक्षा का एक सशक्त माध्यम है। पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए कि वे किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें और चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करें।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शहर की तीनो विधानसभा क्षेत्र में वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों की मतदाता सहायता टीम का गठन किया गयाहै जो फॉर्म-6 से संबंधित जानकारी, दस्तावेजों की जांच तथा ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन में मदद करेगी। साथ ही, पार्टी के वरिष्ठ नेता समय-समय पर इस अभियान की समीक्षा करेंगे और आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

बैठक में सर्व श्री सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन, डॉ मानसिंह यादव, रविन्द्र यादव, शशांक त्रिपाठी, मो शारिक, तारिक सईद अज्जू, मोईन हबीबी, कमला यादव, वजीर खान, महबूब उस्मानी, मो गौस, दान बहादुर मधुर, आर एन यादव, सचिन श्रीवास्तव, बबलू रावत, संतोष, देवीलाल, रवि गुप्ता, रेहान अहमद, तहजीब, अहमद राजा, अजय यादव, भोला पाल, माशाहद, सऊद अहमद, लाल चंद्र कुशवाहा, महेंद्र निषाद, मृतुन्जय, शकील आदि सहित भारी संख्या में कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

संतों ने किया पांडेश्वर नाथ की महिमा का बखान पंचकोसी परिक्रमा पांडेश्वर नाथ धाम पहुंची

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। सनातन धर्म की प्राचीन परंपराओं से जन-जन को जोड़ने के उद्देश्य से अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद द्वारा निकाली जा रही पंचकोसी परिक्रमा गुरुवार को पांडेश्वर नाथ धाम पहुंची। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी अखाड़ा परिषद के महामंत्री एवं जूना अखाड़ा के संरक्षक महंत हरि गिरी महाराज के नेतृत्व में संतों का जत्था यहां पहुंचा।पांडेश्वर नाथ धाम पहुंचने पर सभी पूज्य संतों द्वारा विधि-विधान से मंदिर में दर्शन-पूजन किया गया। इस अवसर पर महंत हरि गिरी महाराज ने पांडेश्वर नाथ की महिमा का बखान करते हुए कहा कि अज्ञातवास के समय पांडवों द्वारा इस स्वयंभू शिवलिंग की पूजा की गई थी, जिसके कारण इस शिवलिंग की विशेष और व्यापक महिमा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक हिंदू को अपने-अपने मंदिरों के संरक्षण और नियमित पूजा-अर्चना के लिए आगे आना चाहिए।महंत हरि गिरी महाराज ने कहा कि तीर्थ स्थलों से आत्मीय जुड़ाव व्यक्ति के अंतर्मन को पवित्र करता है। सनातन धर्म से जुड़े तीर्थों से दूरी तथा धर्म और संस्कारों के प्रति उदासीनता सदियों से हिंदू समाज के लिए चुनौती बनी हुई है।जूना अखाड़ा के सभापति महंत प्रेम गिरी महाराज ने कहा कि सनातन संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से अखाड़ा परिषद द्वारा प्रयागराज के समस्त तीर्थ स्थलों की पंचकोसी परिक्रमा का शुभारंभ किया गया है, जिससे धर्म और संस्कारों के प्रति जनजागरण हो सके।इस दौरान पांडेश्वर नाथ धाम के महंत देवेंद्र गिरी महाराज द्वारा सभी पूज्य संतों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। परिक्रमा के आगमन से पांडेश्वर नाथ धाम में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

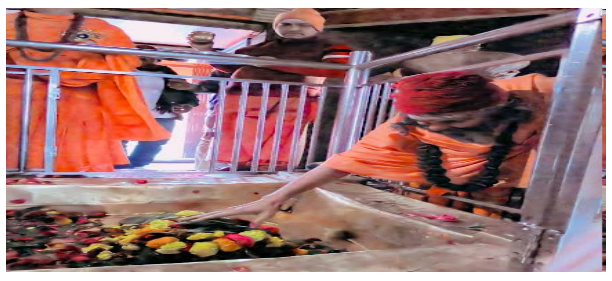

पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज की भागवद् कथा 15 से

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज का शिविर माघ मेला के सेक्टर - 6 ओल्ड जीटी रोड दक्षिणी पटरी पर लगा हुआ है। शिविर के व्यवस्थापक आचार्य कपिल शास्त्री ने आज बताया कि पौष पूर्णिमा से शिविर में सुबह पांच बजे से जलपान, चाय, दोपहर से अन्न क्षेत्र देर शाम तक चल रहा है जो माघी पूर्णिमा तक चलता रहेगा। इस दौरान बडी संख्या में श्रद्धालु, शिष्य सहित मेला क्षेत्र में कार्य करने वाले बडी संख्या में लोग भी भण्डारे का प्रसाद ग्रहण कर रहे है। उन्होंने बताया कि वृन्दावन के आचार्य सदानंद जी की भागवद कथा सुबह 10 बजे से शुरू हो गयी है। अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज की श्रीमद भागवद कथा 15 जनवरी से दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक कथा होगी। 22 जनवरी से कानपुर के आचार्य सोमदत्त की श्रीमदभागवद कथा दोपहर एक बजे से शुरू होगी।

'मिशन शक्ति 5.0' अभियान : महिलाओं एवं बालिकाओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान, महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश देते हुए किया गया जागरूक। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर की दी जानकारी।

कलर्स आफ कल्चरल एंड आर्ट फाउंडेशन के पदाधिकारियों का हुआ गठन

आशीष हुए अध्यक्ष महामंत्री बने राहुल कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कलर्स आफ कल्चरल एंड आर्ट फाउंडेशन की बैठक मुंशी राम प्रसाद की बगिया मुट्ठीगंज में आयोजित किया गया इस अवसर फाउंडेशन के पदाधिकारियों का गठन किया गया

इस अवसर फाउंडेशन के संरक्षक राजेश केसरवानी एवं रमेश अग्रहरि ने आशीष कुमार गुप्ता को अध्यक्ष एवं महामंत्री राहुल कुमार को घोषित किया इसके अलावा उपाध्यक्ष संजीव कुमार एवं अंशू दीप धुसिंया, कोषाध्यक्ष रवि कुमार कुशवाहा, मंत्री उज्जवल जायसवाल, कार्य समिति सदस्य अर्श शर्मा एश्मीत सागर, गौरव अग्रहरि मनोनीत किए गए।

इस अवसर संरक्षक राजेश केसरवानी ने मनोनीत हुए सभी पदाधिकारी को बधाई देते हुए कहा कि फाउंडेशन कला एवं कलाकारों के हित के लिए कार्य करेगी। बधाई देने वालों में शत्रुघ्न जायसवाल, किशन चंद्र जायसवाल, अजय अग्रहरि कमलेश केसरवानी, नीरज केसरवानी, श्रेष्ठ चौरसिया, दीपक केसरवानी, आदि फाउंडेशन के कार्यकर्ता रहे।

व्यापारियों में साहस भरने व्यापारियों के बीच पहुंचे मंत्री

योगी सरकार में व्यापारियों को डराने, धमकाने और उत्पीड़ करने वालों की खैर नहीं - नन्दी

फूलपुर में सर्राफा कारोबारी के परिवार एवं अन्य व्यापारियों से की मुलाकात

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र के जमीलाबाद मोहल्ला निवासी सर्राफा कारोबारी अंकित सोनी के पुत्र सनी सोनी पर बुधवार की देर शाम जेल से छूट कर आए बदमाश और उसके साथियों द्वारा जानलेवा हमला करते हुए की गई फायरिंग की घटना के बाद व्यापारियों में साहस भरते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने गुरूवार को मौके पर जाकर सर्राफा व्यापारी के परिवारजनों और क्षेत्र के अन्य व्यापारियों से मुलाकात की। घटना के बारे में जानकारी ली। वहीं पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई हो कि उनकी सात पुश्तें याद रखें। अवैध निर्माण पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाए।

फूलपुर के जमीलाबाद में पहुंचने पर मंत्री नन्दी ने सर्राफा कारोबारी अंकित सोनी के पुत्र सनी सोनी से मुलाकात की एवं कुशलक्षेम जाना, जिस पर बदमाशों द्वारा बुधवार की देर शाम जानलेवा हमला किया गया था। इस दौरान सर्राफा कारोबारी अंकित सोनी के साथ ही अन्य व्यापारियों द्वारा बदमाशों के मनमानी की जानकारी दी गई। जिस पर मंत्री नन्दी ने व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि योगी सरकार में कानून का राज है। किसी भी व्यापारी एवं उद्यमी को बदमाशों एवं माफियाओं से डरने की आवश्यकता नहीं है। खुल कर व्यापार करें।

मंत्री नन्दी ने एसडीएम को निर्देश दिया कि सर्राफा कारोबारी पर जानलेवा हमले के सभी आरोपियों के आवास की भी जांच कराई जाए। यदि उनके द्वारा अवैध निर्माण किया गया है तो जांच कराकर नियमानुसार ध्वस्तीकरण की भी कार्रवाई की जाए। साथ ही अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। ताकि बदमाशों की सक्रियता से व्यापारी भयभीत न हों, उनका भय समाप्त हो।

जमीलाबाद निवासी सर्राफा कारोबारी अंकित सोनी का 22 वर्षीय पुत्र सनी सोनी पिता के साथ सर्राफा की दुकान पर बैठता था। व्यापार करता था। बुधवार की शाम वह अपने घर के बाहर बैठ कर आग ताप रहा था। तभी दो बाइक से आए चार बदमाश सनी सोनी के घर के पास पहुंचे और उसे पीटना शुरू कर दिया। खुद की जान बचाते हुए वह अपने ताऊ के घर की तरफ भागा। बदमाशों ने उसका पीछा करते हुए दौड़ाया और फायरिंग शुरू कर दी। कई राउण्ड फायरिंग की गई। यह तो संयोग ही था कि एक भी गोली सनी को नहीं लगी। वहीं बदमाश फायरिंग के बाद मौके से भाग निकले।

फोनपे के 10 साल भारत को सशक्त बनाने के एक दशक का जश्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। फोनपे ने हाल ही में इनोवेशन और भरोसे का एक शानदार दशक पूरा किया। भारत के फिनटेक इकोसिस्टम में 10 साल का यह सफर सिर्फ एक मील का पत्थर नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का उत्सव है। इस दशक में फोनपे ने न केवल वित्तीय पहुँच को बढ़ाया है, बल्कि भारत में लेन-देन और पैसों को मैनेज करने के तरीके को भी बदला है। साल 2025 में, फोनपे ने 600 मिलियन रजिस्टर्ड यूज़र्स का आँकड़ा पार करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की, जिसने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ के रूप में इसकी भूमिका को और मज़बूत कर दिया।

इस सफ़र के बारे में बताते हुए, फोनपे के फाउंडर और सीईओ समीर निगम जी ने कहा कि- 'हमारे दस साल के सफ़र का सबसे रोमांचक हिस्सा यह है कि, भले हम कितनी भी दूर आ गए हों, शिखर अभी भी नज़र नहीं आ रहा है। हमें अभी नहीं पता कि यह कैसा होगा और यही बात इसे रोमांचक बनाती है।

पुलिस उपायुक्त यमुनानगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

महर्षि भारद्वाज की आराधना के बिना प्रयागराज का पुण्य नही, महर्षि भरद्वाज प्रयागराज के धरोहर-जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारद्वाज जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी प्रयागराज ने कहा कि महर्षि भारद्वाज प्रयागराज की पहचान है प्रयागराज के सम्मान के लिए शासन प्रशासन कटिबंध है पर्यटन और अन्य दृष्टि से जो भी संभव होगा यहां के तीर्थ का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज का वैभवशाली इतिहास रहा है उसी के अनुरूप इसका विकास किया जाएगा। साधु संतों और प्रबुद्ध जनों ने प्रयागराज को तीर्थ क्षेत्र घोषित करने संगम से 5 कोश परिधि में सार्वजनिक रूप से मांस मदिरा पर पाबंदी के मामले को सकारात्मक रूप से लेने की भी बात कही।

महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव महंत यमुना पुरी ने कहा कि महर्षि भारद्वाज की पूजा के बिना प्रयागराज का पुण्य नहीं। बैकुंठ धाम के महंत श्रीधराचार्य ने कहा कि महर्षि भारद्वाज महान गुरु थे जिनके 10000 शिष्य थे इसी क्षेत्र में उनका विश्वविद्यालय था पहले कुलपति कहलाए। इस वैष्णव क्षेत्र में सार्वजनिक रूप से मानस मंदिर की बिक्री हम संतो को कष्ट देता है। सरकार हम संतों की वाणी पर विचार करें। प्रयागराज विद्वत परिषद के संयोजक वीरेंद्र पाठक ने महर्षि भारद्वाज के बारे में विस्तार से बताया।भीषण ठंड में, प्रयागराज विद्वत् परिषद के तत्वावधान में महर्षि भारद्वाज जयंती प्रयागराज दिवस धूमधाम से मनाया गया। बड़ी संख्या में साधु संत प्रबुद्ध जन प्रयागराज के प्रथम गुरु महर्षि भारद्वाज को पुष्पांजलि करने जुटे।

माघ मास की पंचमी को प्रयागराज के प्रथम ज्ञात महान गुरु महर्षि भारद्वाज जिन्होंने हवा में उड़ने वाले यंत्र का आविष्कार किया था । माघ मेले के प्रवर्तक थे। आयुर्वेद के जनक हैं कि जयंती पर सुबह सवेरे माल्यार्पण कर उनके कार्यों को याद किया गया। महर्षि भारद्वाज जी के जन्मोत्सव के दिन ही प्रयागराज दिवस मनाया जाता है। जिला प्रशासन की ओर से जिलाधिकारी, सहित प्रबुद्ध जनों ने पुष्पांजलि अर्पित की। पुलिस बैंड व लोक कलाकारों ने शोभायात्रा में समा बांधा। जगह-जगह भरद्वाज जी की आरती व पुष्प वर्षा की गयी।

महर्षि भारद्वाज की प्रतिमा की शोभायात्रा संगम पहुंची जहां गंगा पूजन किया गया। महर्षि भारद्वाज ही माघ मेला और कुंभ मेला के प्रवर्तक भी हैं। समारोह में महन्त श्रीधरानन्द, महन्त यमुनापुरी सचिव महानिर्वाणी अखाड़ा, जगदगुरू श्रीधराचार्य वैकुण्ठ धाम, नित्यनाथाचार्य जी, चन्द्र देव जी सच्चा आश्रम, राधामाधव दास, जगदगुरू नारायणा शांडिल्य गुरू संयोजक वीरेन्द्र पाठक, प्रो देवदत्त सरोदे प्रो आर एस पाण्डेय, अभिषेक मिश्र, आशुतोष शुक्ल ब्रजेन्द्र मिश्र, शशिकांत मिश्र, विक्रम मालवीय धीरज द्विवेदी, शैलेंद्र अवस्थी, डा प्रमोद शुक्ला, राहुल दुबे, डा श्रवण कुमार मिश्र संदीप शर्माअनिल मिश्र जगत नारायण तिवारी, योगमाता, सुनीता मिश्रा दीपू शुक्ला अशोक तिवारी, राजेश जायसवाल, अन्नू घिल्डियाल सभासद रत्नेश मिश्र कुलदीप सिंह रघुनाथ द्विवेदी डा रंजन बाजपेई, नीरज दीक्षित शार्दुल श्रीवास्तव आदि पुष्पांजलि में शामिल रहे।

पंडित केसरी नाथ त्रिपाठी सहजता सरलता विनम्रता के त्रिवेणी थे

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पूर्व राज्यपाल पंडित केशरी नाथ त्रिपाठी जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन उनके आवास डॉ लोहिया मार्ग प्रयागराज में किया गया इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर, प्रोफेसर गिरीश चंद्र पार्टी, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, पूर्व सांसद केशरी देवी पटेल, महापौर गणेश केसरवानी, ने पंडित केसरी नाथ त्रिपाठी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पंडित केशरी नाथ त्रिपाठी सहजता सरलता और विनम्रता के त्रिवेणी थे और सहृदय कवि और विधि के मर्मज्ञ अधिवक्ता रहे और एक सफल राजनेता के रूप में छह बार विधायक एक बार कैबिनेट मंत्री तीन बार विधानसभा अध्यक्ष के रूप में जनता की सेवा की और जनप्रिय नेता रहे और विधानसभा अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल , बिहार के राज्यपाल के रूप में उन्होंने संवैधानिक पदों की मर्यादा बनाई और अपने जीवन काल तक आजाद शत्रु के रूप में पहचान बनाई।

इस अवसर पूर्व उपमहापौर मुरारी लाल अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता , पूर्व भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा रणजीत सिंह, भाजपा नेता राम जी केसरवानी शिवेंद्र मिश्रा,

पदुम जायसवाल, भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी, ने कहा कि पंडित केसरी नाथ त्रिपाठी भारतीय जनता पार्टी के सच्चे सिपाही थे और हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रेरक रहे उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्यक्रम के संयोजक उनके सुपुत्र पूर्व महाधिवक्ता एवं भाजपा नेता नीरज त्रिपाठी एवं पुत्रवधू भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री श्रीमती कविता यादव त्रिपाठी रही। श्रद्धांजलि देने वालों में ज्ञानेश्वर शुक्ला, नवरत्न कत्याल, वन्दना सिंह, शिखा रस्तोगी, चंद्रा अहलूवालिया मुकेश कसेरा, शत्रुघ्न जायसवाल, शुभम मालवीय, एवं सैकड़ो अधिवक्ता गण पार्षद गण एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि दी।

सम्पादकीय

कार्तिगई दीपम विवाद पर मद्रास हाईकोर्ट का फैसला सनातन विरोधियों की करारी हार है

मद्रास हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी के दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति को बरकरार रखा है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह परंपरा सदियों पुरानी है और इसे रोकने का कोई संवैधानिक या कानूनी आधार नहीं है। अदालत ने साथ ही राज्य सरकार द्वारा कानून व्यवस्था के नाम पर लगाए गए प्रतिबंधों को निराधार और कल्पनाजन्य करार दिया। न्यायालय ने कहा कि जिस स्थान पर दीपम जलाया जाता है वह मंदिर से जुड़ी पारंपरिक धार्मिक व्यवस्था का हिस्सा रहा है। केवल आशंका के आधार पर किसी धार्मिक परंपरा को रोका नहीं जा सकता। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि धार्मिक स्वतंत्रता केवल निजी पूजा तक सीमित नहीं है बल्कि सामूहिक और सार्वजनिक धार्मिक अभिव्यक्तियां भी इसके अंतर्गत आती हैं।

हम आपको बता दें कि इस मामले में राज्य सरकार ने दलील दी थी कि दीपम जलाने से सामाजिक तनाव और कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है। कोर्ट ने इस तर्क को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि प्रशासन का दायित्व भय पैदा करना नहीं बल्कि निष्पक्ष और साहसिक ढंग से कानून व्यवस्था बनाए रखना है। अदालत ने यह भी कहा कि यदि हर परंपरा को संभावित विवाद के नाम पर रोक दिया जाए तो संविधान में प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता केवल कागज पर रह जाएगी।

हम आपको बता दें कि याचिकाकर्ताओं की ओर से यह तर्क रखा गया था कि कार्तिगई दीपम केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। इसे रोकने का प्रयास समाज में अनावश्यक विभाजन और असंतोष को जन्म देता है। कोर्ट ने इस तर्क से सहमति जताई और आदेश दिया कि परंपरागत रीति से दीपम जलाने की अनुमति दी जाए।

देखा जाये तो मद्रास हाईकोर्ट का यह निर्णय उस मानसिकता पर करारा प्रहार है जो हर हिंदू परंपरा को कानून व्यवस्था के नाम पर कटघरे में खड़ा करने की आदी हो चुकी है। आज सवाल यह नहीं है कि दीपम जलेगा या नहीं। सवाल यह है कि क्या बहुसंख्यक समाज की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को हर बार डर और शक के चश्मे से देखा जाएगा? तमिलनाडु की द्रमुक सरकार का तर्क कि दीपम जलाने से अशांति फैल सकती है, दरअसल प्रशासनिक असफलता को छिपाने का तरीका है। अगर हर धार्मिक आयोजन से पहले सरकार को डर लगने लगे तो फिर शासन चलाने का नैतिक अधिकार किस बात का रह जाता है? अदालत ने ठीक ही कहा कि कल्पित भय के आधार पर मौलिक अधिकारों को कुचला नहीं जा सकता। देखा जाये तो यह मामला उस व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है जहां हिंदू धार्मिक परंपराओं को बार बार रोकने और सीमित करने का प्रयास किया जाता है। कभी शोर का बहाना बनाया जाता है, कभी पर्यावरण का तो कभी कानून व्यवस्था का। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से यही तर्क अन्य समुदायों के मामलों में अचानक गायब हो जाते हैं। यह दोहरा मापदंड समाज में असंतोष और अविश्वास को जन्म देता है।

कार्तिगई दीपम का सामाजिक महत्व केवल आस्था तक सीमित नहीं है। यह पर्व सामूहिकता का प्रतीक है। पहाड़ी पर जलता दीप दूर दूर तक दिखाई देता है और समाज को जोड़ने का काम करता है। जब ऐसी परंपराओं को रोका जाता है तो संदेश जाता है कि बहुसंख्यक समाज की भावनाएं गौण हैं। यही भावना धीरे धीरे आक्रोश में बदलती है और फिर वही आक्रोश सामाजिक तनाव का रूप ले लेता है। इस फैसले का सबसे बड़ा सामाजिक प्रभाव यह है कि लोगों का यह विश्वास और प्रबल हुआ है कि न्यायपालिका संविधान की आत्मा को समझती है। अदालत के आदेश ने यह स्पष्ट कर दिया कि धर्मनिरपेक्षता का अर्थ यह नहीं है कि राज्य केवल एक धर्म के प्रति कठोर हो जाए और बाकी के प्रति नरम। सच्ची धर्मनिरपेक्षता सभी परंपराओं के साथ समान व्यवहार की मांग करती है। यह निर्णय प्रशासन के लिए भी चेतावनी है। उसे समझना होगा कि परंपराओं को दबाने से शांति नहीं आती बल्कि असंतोष भीतर ही भीतर सुलगता रहता है।

शिक्षा का स्वदेशीकरण : विकसित भारत के सपने को हकीकत बनाने की आधारशिला

विकसित भारत की लक्ष्य-साधना निश्चित रूप से देश के हर नागरिक को प्रोत्साहित करेगी। आज के वैश्विक अस्थिरता के माहौल में ऐसा कौन होगा, जो भारत को विकसित होते न देखना चाहे! भारत के संविधान निर्माताओं ने उस समय चौदह साल तक के हर बच्चे को अगले दस वर्षों में अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा का लक्ष्य निर्धारित किया था। वे सभी देश की सामर्थ्य की वास्तविकता से अवगत थे, मगर यह भी जानते थे कि बड़े लक्ष्य जो प्रेरणा देते हैं, वे बहुत दूर तक ले जाते हैं।

समय ने इसे सिद्ध किया है, हालांकि लक्ष्य अभी भी कहीं न कहीं अपनी दूरी दर्शाता है। लक्ष्य-साधना की सफलता के लिए यह मानकर ही चलना होगा कि इसके लिए सार्वभौमिक स्तर पर देश के प्रत्येक नागरिक का योगदान आवश्यक होगा। जो कमी दिखेगी, उस पर भी सामाजिक सद्भाव और पंथिक समरसता को और अधिक सशक्त बनाकर सफलता के द्वार खोले जा सकते हैं। अतः इन दोनों पक्षों को सरकारी प्रयासों में भी प्रमुखता देनी होगी, लेकिन उसके लिए समाज तथा शिक्षा संस्थानों का योगदान सर्वोपरि होगा।

भारत में अधिकांश अध्यापक बहु-जातीय और बहु-पंथिक कक्षाओं में पढ़ाते हैं तथा वे स्वयं भी ऐसी ही कक्षाओं में पढ़कर आए होते हैं। विविधता को साझा करने का ऐसा संजोग शायद ही कहीं और इतनी प्रचुरता से मिलता होगा! भारत की प्राचीन ज्ञानार्जन परंपरा की गहराई, सूक्ष्मता और वैश्विकता में निहित 'सर्वभूत हिते रतः' की भावना का सम्मान भी सर्वत्र होता है। जहां पूर्वाग्रह बौद्धिकता को ढ़क लेते हैं, वहां ऐसा नहीं हो पाता है।

विश्व में हर प्रकार की विविधता के सम्मान की जो व्यावहारिक अवधारणा भारत में पनपी है, और जो आज भी जीवंत है, वैसी अन्य कहीं नहीं मिलेगी। स्वतंत्रता आंदोलन में देश ने अच्छी तरह समझ लिया था कि भारतीयों को बांटने, और अंततः देश का विभाजन करने में ब्रिटिश शासन ने कैसे-कैसे हथकंडे अपनाए थे। सबसे सशक्त साधन तो उनको 1835 में थामस बैबिंगटन मैकाले ने प्रदान किया था। उन्होंने भारत में अंग्रेजी साम्राज्य को बनाए रखने के लिए जो योजन बनाई, उसका लक्ष्य उनके लिए पूरी तरह स्पष्ट थाः 'हमें ऐसे लोग तैयार करने हैं, जो खून और रंग में भारतीय होंगे, मगर रुचि, राय, नैतिकता और बौद्धिकता में अंग्रेज होंगे।'

मैकाले की भारत, उसकी संस्कृति और वैश्विक ज्ञान भंडार में उसके योगदान के संबंध में जो राय थी, उसे याद करने से यह समझ में आ जाएगा कि भारतीयों को सूरत से भले ही न सही, दिल से अंग्रेज बना देने में अपनी सफलता के प्रति वह इतना आश्वस्त क्यों था! मैकाले ने भारत की सुव्यवस्थित ज्ञानार्जन प्रणाली और नए ज्ञान की जनहित में उपयोगिता के लिए शोध के प्रति समर्पण की परंपरा को ध्वस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। परंपरागत स्कूलों और संस्थाओं को उसने यह कहकर नकार दिया कि उन पर सरकार को खर्च करना पड़ेगा, जबकि अंग्रेजी पढ़ाने वाले स्कूलों में लोग अच्छी-खासी फीस देकर आने को तैयार रहते हैं। ऐसा आज भी देश में हो रहा है, और यह लगातार बढ़ रहा है।

स्वतंत्रता के बाद तीन-चार दशकों में न जाने कितने बच्चों ने स्कूल कुछ वर्ष बाद केवल अंग्रेजी सीखने में असफल होने के कारण छोड़ दिए थे। धीरे-धीरे वह स्थिति बदली है, लेकिन आज भी अधिकांश सरकारी नौकरियों में अंग्रेजी का वर्चस्व बना हुआ है। कहा नहीं जा सकता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में मातृ भाषा पर दिए गए जोर के बावजूद स्थानीय स्तर पर भी नौकरियों में अंग्रेजी का प्रभाव भाषागत भेदभाव का कारण नहीं बनेगा!

वैसे लोग अब घरों में रखे जाने वाले सहायक एवं सहायिकाओं से भी अपेक्षा करते हैं कि उन्हें अंग्रेजी का ज्ञान हो, वे 'माल' से सामान मंगा सकें, उसमें मियाद की तारीख पढ़ सके! मैकाले की दूरदृष्टि और भविष्य के आकलन की क्षमता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है, क्योंकि वह भारतीयों को भारत से अलग करने में कितना सफल रहा, इसे हम आज भी देख रहे हैं। हम आजादी के बाद भी मैकाले के बिछाए जाल से नहीं निकाल पाए, तो इसमें दोष हमारा ही है!

वैसे भी अब समय मैकाले की आलोचना का नहीं, बल्कि भारतीयों को भारत से पुनः पूरी तरह जोड़ने का है। संभवतः ऐसे ही विचार सर्वोच्च स्तर पर नीति निर्धारकों के भी रहे होंगे, तभी तो देश को मैकाले के प्रभाव से पूरी तरह मुक्त करने का आह्वान किया गया है। यह भी स्वीकारोक्ति है कि 1835 में मैकाले ने भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की जड़ें जमाने के लिए जिस शिक्षा व्यवस्था को तत्कालीन स्वदेशी प्रणाली को नष्ट कर लागू किया, उसके प्रभाव से भारत आज भी मुक्त नहीं हो पाया है।

यह भी एक तथ्य है कि अनगिनत अवसरों पर संसद में चर्चाएं हुई थीं, आश्वासन दिए गए और प्रयास भी हुए, लेकिन बात बनी नहीं! इसका कारण अज्ञात नहीं है, मगर वर्तमान परिस्थितियों के संदर्भ में उसका पुनः विश्लेषण आवश्यक हो गया है। इसके लिए फिर से अपनी जड़ों से जुड़ने की जरूरत को स्वीकार करना होगा। हावर्ड विश्वविद्यालय की ख्याति विश्वव्यापी है और उसे ज्ञान के प्रसार, प्रचार एवं संवर्धन के क्षेत्र में अग्रणी माना जाता है। यहां के दो पुराने छात्र हेनरी डेविड थोरो और राल्फ वाल्डो एमरसन अपने बौद्धिक ज्ञान और उसके योगदान के लिए विश्व प्रसिद्ध रहे हैं। एक बार दोनों अपनी पुरानी मातृ संस्था को लेकर चर्चा कर रहे थे।

एमरसन ने कहा कि अब इस विश्वविद्यालय में ज्ञान की सभी शाखाएं स्थापित हो चुकी है और प्रगति कर रहीं हैं। थोरो ने उत्तर दिया- शाखाओं की बात अति सुंदर है एवं उत्साहजनक है, लेकिन जड़े कैसी हैं, यह जानते रहना ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। किसी भी राष्ट्र की बौद्धिक संरचना को गति और मजबूती देने के लिए सबसे पहले उसकी नींव के टिकाऊ आधार-स्तंभों को जानना और समझना आवश्यक है, ताकि इनके ऊपर आगे की संरचना आधुनिक वैश्विक संदर्भ में निर्मित की जा सके। भारतीय दर्शन में शिक्षा प्रणाली में विद्या, ज्ञान, मेधा, बुद्धि का मुख्य उद्देश्य ऐसे व्यक्ति तैयार करना है, जो नैतिक कसौटी पर भी पूरी तरह खरे उतरें।

भविष्य के भारत की शिक्षा नीतियां केवल ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण न करें, जो जीवन में सिर्फ धनार्जन और सुख सुविधाओं के संग्रहण को ही शिक्षा प्राप्ति का उद्देश्य मान ले या जिन्हें जीवन के उच्चतम लक्ष्यों और उससे प्राप्त होने वाले 'सत्, चित, आनंद' के संबंध में जानकारी न हो, और न ही इसे लेकर कभी कोई प्रेरणा मिली हो। बेहतर शिक्षा से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। शिक्षा में मानवीय मूल्यों का होना भी जरूरी है, तभी सामाजिक चेतना का निर्माण होता है। प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति और संस्कारों की परंपरा व्यक्ति को उसकी आत्मा की उपस्थिति, गरिमा और उसकी विश्व व्यापकता का भान कराती है। यह पद्धति संस्कारों को जीवन-प्रगति के लिए एक आवश्यक तत्त्व मानती है। इसी से व्यक्ति में सत्य और अन्याय की समझ बढ़ती है तथा इसकी खोज में जीवन लगाने में आनंद का आभास होता है।

महिला अपराधों पर समाज का दोहरा रवैया और चुनिंदा आक्रोश

हाल के दिनों में वर्ष भर की चर्चित राष्ट्रीय घटनाओं, दुर्घटनाओं की यादों की पुनरावृत्ति के क्रम में एक पति की हत्या करके ड्रम में डाल देने और हनीमून मनाने के क्रम में हत्या की बहुप्रचारित दो घटनाओं की खूब चर्चा की गई। ये भी कहा गया कि इन दोनों मामलों ने समाज में वैवाहिक रिश्तों की सुरक्षा, भरोसे और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। निश्चित रूप से ये दोनों घटनाएं भयावह थीं।

इस अपराध में शामिल महिलाओं ने न सिर्फ दो निर्दोष लोगों की हत्या की, उनके माता-पिता और परिवार को जीवन भर का दर्द दिया, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक मान्यताओं को भी तार-तार किया। महत्त्वपूर्ण यह भी है कि जब उन्हें उक्त वैवाहिक बंधनों को निभाना नहीं था, तो विवाह नहीं करना चाहिए था।

हालांकि जीवन और परिस्थितियों के अपने-अपने संदर्भ होते हैं और घटनाएं भी उसी मुताबिक संचालित होती रहती हैं। उसमें दूसरों की राय के लिए बहुत जगह नहीं होती। मगर इन बातों को आज के बिगड़ती सामाजिक बनावट, खराब माहौल, स्वतंत्रता की परिभाषा, मोबाइल और सोशल मीडिया के भयानक तरीके से जीवन में घुसपैठ, सांस्कृतिक क्षरण आदि के रूप में देखा जा सकता है। इस विषय पर बहुत सारी बातें हुई हैं।

टीवी चैनलों ने बहस और चर्चा भी परोसी। महीनों तक हर तरफ घरों, मोहल्लों, चौक-चौराहों यही मुद्दा छाया रहा। पूरी महिला बिरादरी इसके लपेटे में आई और गाहे-बगाहे उन्हें तीखी टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। जो हुआ, वह निश्चित तौर पर बुरा था और पूरे समाज ने इसके विरोध में जिस तरीके से एकजुटता दिखाई, वह गौरतलब थी।

इसके समांतर कुछ महत्त्वपूर्ण सवाल, जो इन शोरगुल के बीच दबे रह गए या किसी ने उठाया भी तो लोगों को गौरतलब ही नहीं लगा, वह यह है कि क्या ये दोनों मामले 'वैवाहिक हत्याओं' के संदर्भ में इकलौते हैं? क्या कभी लड़कियों की दहेज, अवैध संबंध, झूठे सम्मान के नाम पर हत्या अन्य मुद्दों को लेकर ऐसी ही या इससे भी विद्रूप नृशंस हत्याएं नहीं की गई हैं?

सामूहिक बलात्कार, तेजाबी हमले से मारी जाती, अपंग होती लड़कियों के मामलों पर कभी इतना शोर क्यों नहीं हुआ? कम या ज्यादा उम्र में बलात्कार का दंश भोगती, प्रताड़ित होती, मौत की ओर धकेली जाती अनगिनत महिलाओं के सच को जानकर भी समाज ने अब तक क्या किया है?

हमारे इर्द-गिर्द हर रोज होती ऐसी घटनाएं और साल दर साल महिला उत्पीड़न के बढ़ते आंकड़ों का सच आखिर क्या है? प्रश्न यह भी कि चंद अपवादों की बात छोड दें, तो क्या दूसरा पक्ष भी परंपराओं, कट्टरता और आपराधिक प्रवृत्ति के त्रास तले उतना ही दंड भोग रहा है? ऐसे तमाम आपराधिक कृत्य हर रोज, हर तरफ होते हैं, तो फिर कुछ घटनाओं की तरह सामाजिक एकजुटता इन पर क्यों नहीं दिखाई जाती? संभव है, वैसी ही एकजुटता महिला उत्पीड़न के बढ़ते आंकड़ों की दर को कुछ कम कर देती। यहां आशय लैंगिक आधार पर अपराधों को कम या ज्यादा करके आंकना कतई नहीं है, क्योंकि अपराधी चाहे महिला हो या पुरुष, उसकी प्रवृत्ति सिर्फ अपराध करने की होती है। पीड़ित भी सिर्फ पीड़ित होता है। वर्ग या रसूख के आधार पर अन्याय तथा अनाचार का बंटवारा करना और न्याय का पलड़ा उसके अनुसार मोड़ना अपने आप में एक बड़ी खामी है।

आज के कथित आधुनिक समाज में भी स्त्री को पल प्रति पल अनगिनत मानसिक और शारीरिक अपराधों का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति बाहर के साथ-साथ

अक्सर घर में भी होती है। कभी मिथ्या सामाजिकता और संस्कृति बचाए रखने, कभी पारिवारिकता को बनाए रखने, कभी प्रचलित फिजूल की परंपराओं के सम्मान में, तो कभी सुरक्षा के नाम पर स्त्री को असंख्य आपराधिक कृत्यों का सामना करना पड़ता है।

शादी के बाद परिवार के भीतर और खासतौर पर पत्नी के प्रति पति के निजी व्यवहार तो हमारे समाज में कभी बहस का विषय रहे ही नहीं हैं। ऐसे उत्पीड़न को आमतौर पर प्यार का नाम देकर बड़ी आसानी से छुटकारा पा लिया जाता है। ज्यादातर महिलाओं ने इसे सच्चाई मानकर स्वीकार कर लिया है।

अधिकांश परिवार आज भी उसी पुरातन सोच पर कायम है कि बेटियां जिस घर में ब्याही जाती हैं, विपरीत से विपरीत परिस्थिति में भी वही उनका अपना घर होता है। यही सोच लड़कियों को सब कुछ सहकर ससुराल में रहने के लिए विवश करता है। परिवार भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें ऐसा करने को मजबूर करता है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका सोचने-समझने के ढांचे और मानस में घुली सोच की होती है, जिससे छुटकारा पाना केवल साहस और दखल के बूते संभव है, लेकिन इसमें बेटियों की संपत्ति में हिस्सेदारी का डर एक बड़ी भूमिका निभाता है।

चूंकि तमाम कानूनों के बावजूद अभी भी पिता की संपत्ति पर व्यवहार में सिर्फ बेटों का ही अधिकार होता है और ससुराल की संपत्ति तो बेटियों की होती ही नहीं है, तो ऐसे में आर्थिक रूप से पराश्रित लड़कियां मृत्युपर्यंत सब कुछ सहने को अभिशप्त होती हैं। अगर वे आवाज उठाती भी हैं तो 'घर तोड़ने वाली' महिला जैसी संज्ञा से नवाजी जाती हैं। इस तरह की सारी परिस्थितियां स्त्रियों की चुप्पी का कारण बनती हैं।

हमारा समाज भी स्त्रियों के अनुपयोगी होने की अपनी धारणा के अनुसार उनके साथ होने वाले तमाम अत्याचारों, यहां तक की मृत्यु पर भी मौन की खाल ओढ़े रहता है। कुछ खास और चर्चित घटनाओं में हत्याओं पर होने वाला शोर और शेष पर मौन उसी का हिस्सा है।

अमेरिका के इशारे पर न थिरकने वाले देश कीमत चुकाने के लिए तैयार रहें!

अंतर्राष्ट्रीय जगत में आर्थिक और तकनीकी दृष्टिकोण से संपन्न अमेरिका अपनी 'डीप स्टेट खलनीति' के बल पर दुनिया का दादा बन चुका है। चूंकि जी-7 के देश उसके मजबूत हाथ हैं, इसलिए ब्रिक्स देशों की औकात उससे खुलेआम उलझने की आजतक नहीं बन पाई है। आखिर पहले भारत के पास-पड़ोस में, फिर ईरान में और अब बेनेज़ुएला के दास्तान जो चुगली कर रही हैं, उसके वैश्विक मायने तो यही हैं। अब अगला नम्बर शायद कम्बोडिया का आएगा, जिसे ट्रंप ने ताजा धमकी दी है।

देखा जाए तो मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के स्वप्नद्रष्टा डॉनल्ड ट्रंप उनकी मुद्रा को चुनौती दिलवाने वाले, यदा कदा उनको आंखें दिखाने वाले रूस-चीन के मजबूत समर्थकों के एक एक कर रीढ़ तोड़ने और इसी झांसे में जांबाज भारत को धमकाकर अपने खेमे में मिलाने के लिए सधी चालें चलना शुरू कर चुके हैं। डीप स्टेट से जुड़े लोगों की मानें तो आगे अमेरिका अभी बहुत कुछ करने वाला है। इस बात का संकेत कभी न्यूयॉर्क के महापौर ममदानी और भारतीय-अमेरिकी आशा जडेजा के इशारों से चलता है। ममदानी जहां खुलेआम स्वजातीय भारतीय देशद्रोहियों के पक्ष में खत लिख रहे हैं, वहीं आशा जडेजा ने तो खुलेआम भारत को रूसी सम्बन्धों पर नसीहत दी है।

मतलब साफ है कि दुनिया भर में ब्रिक्स और रिक (रूस-भारत-चीन) देशों का हौव्वा खड़ा करके रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कभी अलग अलग और कभी संयुक्त मंच पर अमेरिका विरोधी शेखी बघारते आये हैं, उनके ग्लोबल साउथ के सपनों पर बम्बार्डिंग शुरू हो चुकी है। यदि डीप स्टेट के समक्ष ट्रंप ने घुटने टेके हैं तो अब उन्हें रणनीतिक बुलंदी भी मिल रही है। रूस को यूक्रेन में, भारत को पाकिस्तान-बंगलादेश से और चीन को दक्षिण चीन सागर में उलझाए रखने की जो खतरनाक अमेरिकी साजिश है, उसकी काट अभी किसी के पास नहीं है।

अभी तक एशिया, दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका में अमेरिका को कमजोर करने की जो चालें चीन व भारत की तरफ से अलग अलग चली जा रही थीं, इनकी हवा निकालने के लिए ही अमेरिका ने अपना आक्रामक तेवर दिखा दिया है, जिसे रोकना अब किसी के बूते की बात नहीं। सच कहूं तो अमेरिका ने 19वीं शताब्दी से ही अपना विरोधी रहे कई देशों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता परिवर्तन करवाए हैं, जिनमें मुख्य रूप से लैटिन अमेरिका, एशिया और मध्य-पूर्व के देश शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार बताते हैं कि वाकई ये हस्तक्षेप अक्सर डीप स्टेट के इशारे पर सीआईए के माध्यम से गुप्त अभियानों, सैन्य आक्रमणों या समर्थन के जरिए हुए। इस बात को स्पष्ट करने वाले कुछ प्रमुख ऐतिहासिक उदाहरण निम्नलिखित हैं, जो अमेरिका के विरोधी देशों को अपने हद में रहने की खुली नसीहत देते हैं। चाहे अमेरिका का पुराना प्रतियोगी सोवियत संघ हो या फिर उसके अवशेष पर खड़ा रूस और उसका नया वैश्विक पार्टनर चीन, अमेरिका के नापाक इरादों में कभी मजबूत बाधक नहीं बन पाए।

मसलन, कारण चाहे जो भी हो, लेकिन इनकी अंतर्राष्ट्रीय विवशता जगजाहिर हो चुकी है। यह स्थिति जहां एकध्रुवीय विश्व की अमेरिका परिकल्पना और उसकी दादागिरी को परिपुष्ट करती है। वहीं, बहुध्रुवीय विश्व के पैरोकारों रूस, चीन और भारत आदि की नीतिगत बेचारगी की बखिया उधेड़ देती है। आइए अमेरिकी षड्यंत्र की साल दर साल मिली सफलता पर एक नजर डालते हैं। पहला, 1953 में ईरान में मोहम्मद मोसद्देघ की सरकार को अमेरिका के इशारे उखाड़ फेंका गया, और शाह को सत्ता में लाया।

दूसरा, 1954 में ग्वाटेमाला में राष्ट्रपति जैकोबो आरबेंज को हटाया गया और कार्लोस कास्टिलो आर्मास को सत्ता दी गई। तीसरा, 1963 में दक्षिण वियतनाम में राष्ट्रपति न्गो दिन्ह दीम की हत्या में सहायता दी। चतुर्थ, 1973 में चिली में सल्वाडोर एलेन्डे को उखाड़ा, और ऑगस्टो पिनोशे को सत्ता सौंपी। पांचवां, 1983 में ग्रेनाडा में सैन्य आक्रमण से सरकार बदली। छठा, 1989 में पनामा में मैनुअल नोरिएगा को हटाया। सातवां, 2003 में इराक में सद्दाम हुसैन शासन को समाप्त कर उन्हें फांसी पर लटकवाया।

आठवां, 2011में लीबिया में मुअम्मर गद्दाफी के पतन में सहयोग दिया। नवाँ, 2026 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को बंदी बनाया और कम्बोडिया के राष्ट्रपति को धमकाया। दरअसल, ये सूची प्रमुख मामलों तक सीमित है; जबकि कुल 80 से अधिक ज्ञात अमेरिकी हस्तक्षेप हुए हैं।

हैरत की बात है कि अमेरिका के विरोधी देशों ने उसके सत्ता परिवर्तनों पर अक्सर खामोशी साधी या सीमित विरोध किया, क्योंकि सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक शक्तियों का असंतुलन उन्हें प्रत्यक्ष टकराव से रोकता था। सोवियत संघ जैसे प्रतिद्वंद्वी भी कई मामलों में अपनी सीमाओं के कारण सक्रिय हस्तक्षेप से परहेज करते रहे। वह सिर्फ भारत के मामले में ही कामयाब हो पाया, जहां अमेरिका को पीछे हटना पड़ा। इसके प्रमुख कारण इस प्रकार हैं-

पहला, सैन्य श्रेष्ठताः अमेरिका की परमाणु क्षमता और विशाल सेना ने विरोधियों को जोखिम लेने से रोका, जैसे चिली (1973) में सोवियत संघ ने केवल निंदा की। दूसरा, आर्थिक निर्भरताः कई देश अमेरिकी सहायता या व्यापार पर निर्भर थे, जिससे खुला विरोध अव्यवहारिक था। तीसरा, क्षेत्रीय प्रभावः लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों में अमेरिका का प्रभुत्व (मुनरो सिद्धांत) विरोध को अप्रभावी बनाता था। इसलिए सामरिक प्रतिक्रियाएं नगण्य रहीं। चतुर्थ, प्रतिसादः विरोधी देशों ने खुद गुप्त सहायता दी, जैसे क्यूबा ने अंगोला में हस्तक्षेप किया। पांचवां, कूटनीतिः संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव लाए गए लेकिन वीटो के कारण विफल रहे। छठा, आंतरिक प्राथमिकताएंः चीन-रूस जैसे देशों की अपनी घरेलू चुनौतियां सक्रिय विरोध को सीमित करती रहीं।

हैरत की बात तो यह है कि अब रूस और चीन की तरह ही गुटनिरपेक्ष देश भारत को भी अमेरिकी नसीहत मिल रही है, जो गम्भीर बात है। गत दिनों जब वेनेजुएला पर अमेरिका के हमले ने दुनिया का ध्यान खींचा है तो इस घटनाक्रम पर अलग-अलग तरह के रिएक्शन दुनियाभर से सामने आ रहे हैं। इसी बीच भारतीय-अमेरिकी वेंचर कैपिटलिस्ट आशा जडेजा मोटवानी ने वेनेजुएला के घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत पर तंज कसा है।

आशा ने कहा है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने रूस से बहुत सारे हथियार खरीद रखे थे। हालांकि जब अमेरिका ने हमला किया तो ये हथियार काम नहीं आए। अमेरिकी सैनिक मादुरो तक पहुंचे और उनको बंधक बनाकर अमेरिका ले आए। ऐसे में भारत को भी इससे सतर्क हो जाना चाहिए क्योंकि भारत के पास भी ज्यादातर रूस के ही हथियार हैं।

आशा मोटवानी ने एक्स पर किए गए अपने पोस्ट में लिखा, 'वेनेजुएला के रूसी मिलिट्री इक्विपमेंट अमेरिकी मिलिट्री के सामने कुछ सेकंड में टूट गए। उम्मीद है भारत देख रहा होगा। हमारे लिए यह जानना समझदारी होगी कि हमारी रोटी का कौन सा हिस्सा मक्खन लगा हुआ है, कौन हमारे ताकतवर दोस्त हैं और कौन नहीं।' अपनी पोस्ट में आशा ने भारतीय अमेरिकियों और भारतीय रूसियों की संख्या के अंतर को बढ़ा-चढ़ाकर बताते हुए एक गलत आंकड़ा दिया- 'भारतीय अमेरिकीः 5, 000, 000। भारतीय रूसीः 5।'

दरअसल, भारतीय मूल की वेंचर कैपिटलिस्ट आशा जडेजा हालिया समय में अमेरिका में चर्चा में आती रही हैं। हाल ही में उन्होंने दावा किया था कि उनकी वजह से डोनाल्ड ट्रंप ने ए-ँ पर अपना रुख बदला था। सिलिकॉन वैली की वेंचर कैपिटलिस्ट आशा डानाल्ड ट्रंप को सबसे ज्यादा दान देने वाले लोगों में शुमार हैं। आशा जडेजा मोटवानी ने 200 से ज्यादा टेक स्टार्टअप्स में निवेश किया है। उनके प्रमुख निवेशों में गूगल, पिंटरेस्ट, यूलू, क्रेडलवाइज, एडहैक टेक्नोलॉजीज, क्लिमैक्टिक और नेशनल एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक नर्स प्रैक्टीशनर्स शामिल हैं। आशा के पति राजीव मोटवानी स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर विज्ञान के प्रोफेसर रहे हैं। 2001 में उन्हें गोडेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

गोपीगंज विद्युत केंद्र से जुड़े उपभोक्ताओं का प्रीपेड कनेक्शन को लेकर विरोध

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। गोपीगंज विद्युत केंद्र से जुड़े उपभोक्ताओं ने विभाग द्वारा बिना पूर्व सूचना के प्रीपेड मीटर/कनेक्शन लगाए जाने पर कड़ा विरोध जताया है। उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें न तो लिखित सूचना दी गई और न ही किसी प्रकार की सहमति ली गई, इसके बावजूद उनके कनेक्शन प्रीपेड प्रणाली में परिवर्तित कर दिए गए। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि अचानक प्रीपेड व्यवस्था लागू होने से उन्हें आर्थिक और तकनीकी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि रिचार्ज न होने की स्थिति में बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है, जिससे घरेलू कार्यों के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष श्री कांत जायसवाल ने विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि जब नए कनेक्शन धारियों को प्रीपेड का प्लान है तो पुराने उपभोक्ताओं के कनेक्शन को प्रीपेड किया जाना न्यायोचित नहीं तत्काल उनका कनेक्शन पोस्टपेड में किया जाए।

जमीन विवाद में मारपीट, कई घायल पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के अमवां खास गांव में जमीन विवाद को लेकर शनिवार को हिंसक झड़प हो गई। आरोप है कि अजय तिवारी व उनके साथियों ने लाठी-डंडा व हॉकी से हमला कर अनूप मिश्रा और उनके भाइयों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में रोहित मिश्रा के सिर व चेहरे पर गंभीर चोटें आईं, दांत टूट गया, जबकि आनंद मिश्रा को भी सिर में चोट लगी। ग्रामीणों के पहुंचने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच व कार्रवाई में जुटी है।

घोसिया में हजरत बाबा अब्दुल लतीफ शाह का दो दिवसीय सालाना उर्स श्रद्धा व शांति के साथ संपन्न

कव्वाली का महा मुकाबला रहा आकर्षण का केंद्र

भदोही। नगर पंचायत घोसिया के वार्ड नंबर 1 में स्थित प्रसिद्ध सूफी संत हजरत बाबा अब्दुल लतीफ शाह का दो दिवसीय सालाना उर्स पूरी अकीदत, श्रद्धा और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। उर्स के दौरान बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने दरगाह पर हाजिरी लगाकर अमन-चैन, भाईचारे और क्षेत्र की खुशहाली के लिए दुआ मांगी। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र में सौहार्द और आपसी एकता का माहौल बना रहा।

उर्स के अवसर पर दरगाह परिसर और आसपास आयोजित मेले में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। मेले में दिनभर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही, जिससे दुकानदारों की अच्छी-खासी बिक्री हुई। खास तौर पर अमावट, बिस्किट, नमकीन, मूंगफली और बच्चों के खिलौनों की सबसे अधिक मांग रही। बच्चों के मनोरंजन के लिए लगाए गए झूलों ने मेले की शोभा बढ़ा दी, जहां बच्चों ने उत्साह

के साथ भरपूर आनंद उठाया।

पूरे कार्यक्रम को शांतिपूर्ण व व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में स्थानीय लोगों और समाजसेवियों की सराहनीय भूमिका रही। रईस अहमद उस्मानी, शब्बीर आलम, मोहम्मद हलीम, नेहाल अहमद सहित अन्य जिम्मेदार लोग लगातार व्यवस्थाओं में जुटे रहे, जिनके सहयोग से उर्स और मेला पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

उर्स के समापन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत 8 तारीख को रात 9:00 बजे से चमनगंज तकिया पर आयोजित कव्वाली का भव्य महा मुकाबला श्रद्धालुओं और श्रोताओं के आकर्षण का केंद्र रहा। इस मुकाबले में गाजीपुर से मशहूर कव्वाल इस्तियाक भारती और कलकत्ता की प्रसिद्ध कव्वाल उजमा नाज ने अपनी दमदार प्रस्तुतियों से महफिल में समां बांध दिया। कव्वाली प्रेमियों की भारी मौजूदगी के बीच देर रात तक सूफियाना कलाम का सिलसिला चलता रहा।

आयोजन समिति ने उर्स और कव्वाली कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए क्षेत्रवासियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। कुल मिलाकर हजरत बाबा अब्दुल लतीफ शाह का सालाना उर्स धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बनकर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

पाँच वर्षीय भटके बालक को पुलिस ने सकुशल परिजनों से मिलाया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भदोही पुलिस ने एक बार फिर मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए सराहनीय कार्य किया है। थाना औराई क्षेत्र में भटक गए करीब 5 वर्षीय मासूम बच्चे को पुलिस ने सकुशल खोजकर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया, जिससे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई।

घटना गुरुवार दोपहर की है, जब पीआरवी 5529 को सूचना मिली कि एक अनजान बच्चा ग्राम गरौली, थाना औराई क्षेत्र में भटक रहा है। सूचना मिलते ही पीआरवी तथा थाना औराई के हेड कांस्टेबल उदित नारायण मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की। प्रयासों के बाद बच्चे की पहचान ग्राम भमोरा, थाना औराई स्थित बनवासी (मुसहर) बस्ती के निवासी के रूप में हुई।

इसके बाद पुलिस टीम तत्काल ग्राम भमोरा पहुंची, जहां ग्रामीणों ने बच्चे को पहचान लिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित उसकी माता के सुपुर्द किया। अपने बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों की आंखें खुशी से भर आईं और उन्होंने पुलिस का आभार व्यक्त किया।

अवैध मांस कारोबार का पर्दाफाश औराई में पाँच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। औराई पावर हाउस के पास बुधवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने कथित रूप से अवैध मांस की तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान इकलाख कुरैशी पुत्र अमीन कुरैशी निवासी भदोही के रूप में हुई है।

बताया गया कि बजरंग दल को क्षेत्र में मांस बिक्री की सूचना मिली थी, जिस पर कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों के सहयोग से संदिग्ध व्यक्ति को रोक लिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल, क्षेत्राधिकारी राजीव कुमार तथा कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया।

इस मामले में अर्पित प्रजापति की तहरीर पर औराई कोतवाली में रियाज पुत्र असलम, शमशीर पुत्र इस्लाम, आसिफ पुत्र नन्हे, नन्हे पुत्र इस्लाम एवं इकलाख पुत्र अमीन, सभी निवासी जमुन, भदोही के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा अवैध मांस कारोबार से जुड़े नेटवर्क की भी पड़ताल की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

धान तौल को लेकर विवाद, महिला सहित परिवार पर लाठी-डंडे से हमला

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। ग्राम भगवानपुर चौथार निवासी नीतू देवी पत्नी गोपी हरिजन ने आरोप लगाया है कि 06 जनवरी 2026 की रात करीब 8 बजे साझे की तराजू से धान तौलने को लेकर उनके देवर धर्मेन्द्र व गोविन्दा हरिजन पुत्र स्व. रामऔतार ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे से हमला कर दिया। हमले में नीतू देवी के सिर व पीठ में चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके पति गोपी को भी मारपीट कर घायल कर दिया गया। आरोप है कि हमलावरों ने उनके पुत्र रजनीश व शिवम के साथ भी मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। सूचना पर 112 पुलिस ने पहुंचकर प्राथमिक उपचार कराया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सपा युवा फ्रंटल की बैठक में मतदाता सूची विस्तार पर मंथन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। समाजवादी पार्टी जनपद भदोही के जिला कार्यालय कंसापुर ज्ञानपुर में गुरुवार को युवा फ्रंटल की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए मतदाता सूची में अधिक से अधिक नाम जुड़वाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष दिलीप भीम कनौजिया ने कहा कि पीडीए समाज को यह समझना होगा कि वोट देने का अधिकार ही

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि जब वोट का अधिकार होते हुए भी पीडीए समाज पर उत्पीड़न हो रहा है, तो सोचिए यदि यह अधिकार कमजोर पड़ा तो हालात और भयावह हो सकते हैं। वर्चस्ववादी ताकतें मनमानी सरकार बनाकर संविधान को कमजोर करने का प्रयास करेंगी। अपना वोट सुरक्षित रखना ही संविधान, आरक्षण और रोजगार के अधिकारों की रक्षा करना है।

बैठक में मतदाता जागरूकता अभियान को तेज करने, नए मतदाताओं को जोड़ने और युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर बाबा बिंद, संतोष यादव, सृजन मिश्रा, जामी सिद्दिकी, वीरेंद्र यादव, संजय यादव, पंचमणी यादव, लालचंद बिंद, अरशद खान सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केएनपीजी में राष्ट्रीय युवा दिवस पर विधिक साक्षरता कार्यक्रम आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

ज्ञानपुर। काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. रमेश चंद्र यादव के संरक्षण में संपन्न हुआ।

प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र में विधिक जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। कानूनी जानकारी से न केवल व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझता है, बल्कि समाज में समरसता और न्याय की भावना भी मजबूत होती है। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सूर्य दत्त पांडे एवं सीनियर एडवोकेट अमिताभ श्रीवास्तव ने स्वामी विवेकानंद के जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को विधिक जानकारी प्रदान की। जंतु विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने भारतीय संविधान के अंतर्गत प्रदत्त नागरिक अधिकारों एवं कानूनों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम की संयोजिका अंशुबाला ने कहा कि अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की जानकारी भी उतनी ही जरूरी है और स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ने किया, जबकि अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. उष्मा यादव ने प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर पीएलवी आनंद सिंह, वंदना शुक्ला सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. महेंद्र कुमार यादव, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. शीश कुमार उपाध्याय तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आज कोर कमेटी एवं जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की मंत्री एके शर्मा की अध्यक्षता में होगी बैठक

भदोही। मंत्री, नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग, उ0प्र0 ए. के. शर्मा जी का 09 जनवरी को जनपद भदोही भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रोटोकॉल के अनुसार कलेक्ट्रेट सभागार में 12 बजे से कोर कमेटी की बैठक, 12:45 बजे विकसित भारत जी राम जी योजना (गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन) के संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विस्तृत जानकारी देंगे। 1:15 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक मा. प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में संपादित होगी।

इंदौर जल त्रासदी पर कांग्रेस का भाजपा पर सीधा हमला

पवन खेड़ा बोले- 'जवाबदेही तय होगी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को कहा कि पार्टी इंदौर के भागीरथपुरा में हुए जल प्रदूषण मामले में जवाबदेही सुनिश्चित करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सक्रिय रूप से इस मुद्दे को उठा रही है। राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए खेड़ा ने कहा कि हमारी राज्य इकाई इस मामले को लेकर लगातार सड़कों पर प्रदर्शन कर रही है और हम यहां इस मुद्दे को सक्रिय रूप से उठा रहे हैं। हम जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी घटना दोबारा न हो। यह बयान इंदौर के भागीरथपुरा में हुए जल प्रदूषण मामले के बीच आया है, जिसकी व्यापक आलोचना हो रही है क्योंकि इसमें कई लोगों की जान चली गई और कई परिवार प्रभावित हुए। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिवारों को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और सभी प्रभावित लोगों के लिए मुफ्त इलाज की घोषणा की थी। कांग्रेस नेताओं ने इस घटना को लेकर राज्य-भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि इस घटना ने इंदौर की छवि धूमिल कर दी है, जो स्वच्छता के लिए प्रसिद्ध था और पूरे देश में पहले स्थान पर था।

पत्रकारों से बात करते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि इस घटना में सिर्फ 17 ही नहीं, बल्कि और भी कई लोगों की मौत हुई है। सबसे दुखद बात यह है कि इंदौर स्वच्छता में पहले स्थान पर था और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त थी, लेकिन इस घटना ने शहर का नाम खराब कर दिया है। इंदौर की छवि खराब करने के लिए महापौर परिषद, मोहन यादव सरकार और उनके मंत्री जिम्मेदार हैं। पहले इंदौर स्वच्छता की चर्चाओं के लिए जाना जाता था; अब जहर के लिए इसकी चर्चा हो रही है।

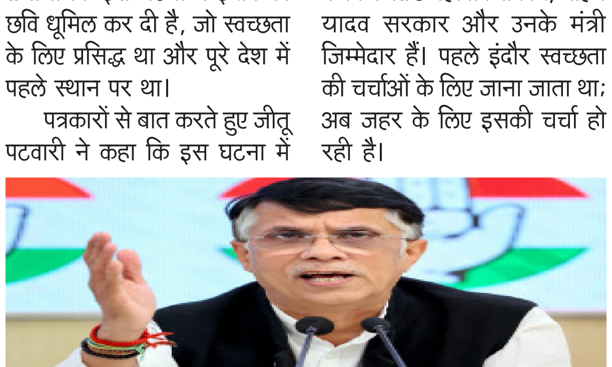

कांग्रेस नेता उमंग सिंघार ने राज्य सरकार पर असंवेदनशील होने का आरोप लगाया और दावा किया कि विपक्ष आगामी विधानसभा सत्र में इस मुद्दे को उठाएगा। सिंघार ने कहा कि मेरा मानना है कि जिस तरह से यह घटना घटी और सरकार ने जिस तरह की असंवेदनशीलता दिखाई, वह निश्चित रूप से इंदौर पर एक कलंक है। मैं इंदौर के लोगों से कहना चाहता हूं कि आपके इलाकों में भी पाइपलाइन के जरिए पानी की आपूर्ति होती है, और सावधान रहें कि भागीरथपुरा जैसा पानी आप तक भी पहुंच सकता है। हम इस मामले के तथ्यों की पूरी तरह से जांच करेंगे और विधानसभा के आगामी सत्र में सरकार से जरूर सवाल करेंगे कि आपकी इसरकार की गलतियों के लिए इंदौर के लोगों को क्यों भुगतना पड़ रहा है।

'संविधान और आरक्षण बचाना है तो पीडीए एक हो' अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर सीधा प्रहार

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को मतदाताओं और 'पीडीए संरक्षकों' से आगामी चुनावों से पहले पीडीए समुदाय के वोटों को विभाजित होने से बचाने की अपील की। उन्होंने 'एक भी वोट विभाजित न हो, एक भी वोट कम न हो' के नारे के साथ एकता के महत्व पर जोर दिया। अखिलेश यादव ने चेतावनी दी कि मतदाता सूचियों में छूटे हुए नामों का भाजपा सरकार द्वारा दुरुपयोग किया जा सकता है, जिससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं, नौकरियों, राशन कार्ड, जमीन और अन्य अधिकारों से वंचित किया जा सकता है। उन्होंने मतदाताओं से अपने वोटर आईडी को अपने नागरिक आईडी के रूप में मानने और मतदान के दौरान सतर्क रहने का आग्रह किया।

'रकार' को हटाने के लिए बल्कि संवैधानिक अधिकारों, आरक्षणों और संपत्ति की रक्षा के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने कहा, 'अपना वोट दर्ज करें, अपना भविष्य बचाएं,' और सभी पीडीए सोसाइटी सदस्यों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने एक्स पर एक संदेश

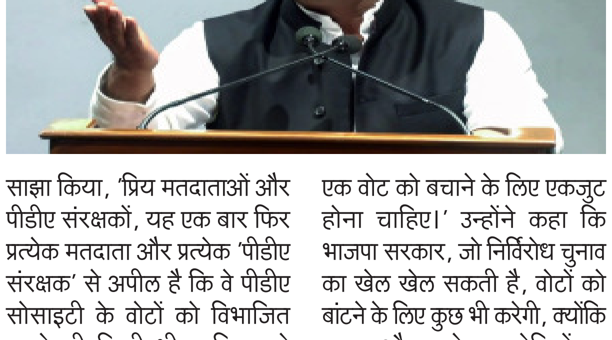

साझा किया, 'प्रिय मतदाताओं और पीडीए संरक्षकों, यह एक बार फिर प्रत्येक मतदाता और प्रत्येक 'पीडीए संरक्षक' से अपील है कि वे पीडीए सोसाइटी के वोटों को विभाजित करने से किसी भी साजिश को सफल न होने दें।' 'पीडीए संरक्षकों' के प्रयासों के बावजूद, पीडीए सोसाइटी के लाखों वोट अभी भी विभाजित हो रहे हैं। अब, पीडीए संरक्षकों को प्रत्येक मतदान केंद्र पर गहन जांच करनी चाहिए, और 'एक भी वोट विभाजित न हो, एक भी वोट कम न हो' के नारे के साथ, हम सभी को एक बार फिर हर एक वोट को बचाने के लिए एकजुट होना चाहिए।' उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार, जो निर्विरोध चुनाव का खेल खेल सकती है, वोटों को बांटने के लिए कुछ भी करेगी, क्योंकि उनका और उनके सहयोगियों का गुप्त उद्देश्य चुनाव जीतना, सरकार बनाना, फिर भ्रष्टाचार में लिप्त होना और पानी, जंगलों और जमीन पर कब्जा करना है। उन्होंने आगे कहा कि पीडीए समाज' को यह सोचकर आगे बढ़ना चाहिए: जब हम वोट देने और सरकार बनाने का अधिकार है, तब भी हम इतना उत्पीड़न झेलते हैं; अगर वोट देने का निर्णायक अधिकार हमारे 'पीडीए समाज' के लोगों के हाथों में नहीं है, तो हम कितना और प्रताड़ित होंगे? ये दबंग ताकतें अपनी मनमानी से सरकार बनाएंगी और ढाल की तरह हमारे रक्षक संविधान को नष्ट कर देंगी। अपना वोट बचाना मतलब अपने संविधान और आरक्षण व रोजगार के अधिकारों को बचाना है।

इससे पहले, मंगलवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) की मसौदा मतदाता सूची से 2.89 करोड़ मतदाताओं को हटाए जाने पर गंभीर चिंता जताई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने इसे एक 'बड़ी साजिश' बताते हुए मामले की गहन जांच की मांग की।

कठुआ से लेकर कश्मीर घाटी तक आतंक के खिलाफ चल रही निर्णायक कार्रवाई

गणतंत्र दिवस से पहले सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और उससे जुड़े नेटवर्क के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। हम आपको बता दें कि कठुआ जिले के दुर्गम जंगलों से लेकर कश्मीर घाटी के शहरी इलाकों और राजौरी के वन क्षेत्रों तक, सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने समन्वित रणनीति के तहत अभियान तेज कर दिया है। इन कार्रवाइयों का स्पष्ट संकेत है कि गणतंत्र दिवस से पहले किसी भी आतंकी साजिश को नाकाम करने के लिए सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं।

आज सुबह जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकवादियों की तलाश में अभियान दोबारा शुरू किया गया। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और अन्य सुरक्षा बलों ने बुधवार शाम बिलावर क्षेत्र के कहोग गांव में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया था। इसी दौरान जंगल में छिपे आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ हुई। रातभर की घेराबंदी के बाद आज तड़के धनु परोल-कमाध नाला क्षेत्र में फिर से तलाशी शुरू की गई।

एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि घना जंगल, दुर्गम पहाड़ी इलाका और सीमित दृश्यता के बावजूद सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाले रखा है। आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई है और ड्रोन निगरानी भी की जा रही है। जम्मू जोन के आईजीपी भीम सेन टूटी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी दी कि एसओजी लगातार आतंकवादियों से मुकाबला कर रही है और सीआरपीएफ की टीमें भी इस संयुक्त अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

हम आपको बता दें कि बुधवार शाम शुरू हुई इस मुठभेड़ में दोनों पक्षों के बीच एक घंटे से अधिक समय तक गोलीबारी चली थी। इस दौरान एक सुरक्षाकर्मी के पैर में गोली लगने की खबर है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फर्जी ऑनलाइन ट्रांजेक्शन दिखाकर ज्वेलरी की ठगी, 48 हजार का सामान लेकर फरार

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। जंगीगंज धनतुलसी मार्ग स्थित दिनेश एण्ड सन्स की बिल्डिंग में संचालित एक ज्वेलरी दुकान में फर्जी ऑनलाइन भुगतान के जरिए ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित दुकानदार के अनुसार, दिनांक 04/01/2026 को लगभग दोपहर 3 बजे वह अपनी दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान दो अज्ञात व्यक्ति बाइक से दुकान पर पहुंचे और ज्वेलरी खरीदने की बात कही। आरोप है कि दोनों व्यक्तियों ने करीब 48, 000 रुपये मूल्य का ज्वेलरी सामान लिया और भुगतान के नाम पर (यूपीआई) ट्रांजेक्शन का फर्जी स्क्रीनशॉट दुकानदार को दिखाया।

दुकानदार ने जब बाद में अपने बैंक खाते की जांच की, तो पता चला कि खाते में कोई राशि प्राप्त नहीं हुई थी। तब तक दोनों अज्ञात आरोपी सामान लेकर मौके से फरार हो चुके थे।

पीड़ित ने इस घटना की जानकारी संबंधित अधिकारियों को देने की तैयारी कर ली है और अज्ञात ठगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र में इस तरह की घटनाओं से व्यापारियों में चिंता का माहौल है।पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दिल्ली में अमित शाह से मिले पलानीस्वामी, तमिलनाडु चुनावों से पहले सेट किया नया सियासी समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक स्थिति से अवगत कराया। पलानीस्वामी ने आगामी तमिलनाडु चुनावों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एआईएडीएमके) की जीत की संभावना जताई और कहा कि वे गठबंधन के लिए अन्य पार्टियों से बातचीत कर रहे हैं।

पलानीस्वामी ने पत्रकारों से कहा कि कल रात 9 बजे मैंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। मैंने उनसे तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति के बारे में बात की और डीएमके शासन के अंत पर चर्चा की। एआईएडीएमके गठबंधन के लिए कई पार्टियों से बातचीत कर रहे हैं और हम गठबंधन के साथ मिलकर तमिलनाडु में सरकार बनाएंगे। एआईएडीएमके के महासचिव ने तमिलनाडु में बढ़ते अपराध दर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राज्य दौरे के दौरान सार्वजनिक सभाओं के कारण वे उनसे मिल नहीं पाए। पलानीस्वामी ने ओ. पन्नीरसेल्वम को एआईएडीएमके में पुनः शामिल करने के संबंध में अपनी पार्टी के रुख को दोहराते हुए कहा कि अमित शाह ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वे पार्टी के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि डीएमके के सत्ता में आने के बाद अपराध बहुत बढ़ गया है और उनके शासन में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा का कोई नामोनिशान नहीं है। जब गृह मंत्री अमित शाह तमिलनाडु आए थे, तब मैं उनसे वहां मिल नहीं पाया क्योंकि मेरी वहां सार्वजनिक सभाएं थीं। ओ. पन्नीरसेल्वम के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है और इस संबंध में अमित शाह ने भी कहा है कि वे पार्टी के निजी मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे।

पलानीस्वामी ने घोषणा की कि पट्टाली मक्कल काची एनडीए गठबंधन में शामिल हो गई है और उन्होंने अन्य पार्टियों के भी गठबंधन में शामिल होने की संभावना जताई। उन्होंने कहा, 'पीएमके ने एआईएडीएमके के साथ हाथ मिला लिया है और जल्द ही कई और पार्टियां हमारे साथ जुड़ेंगी। मैं अभी यह बात सार्वजनिक रूप से नहीं कह सकता।

'तुम हिंदू, एएमयू में नहीं पढ़ा सकती' महिला प्रोफेसर का डीन पर गंभीर आरोप

बोलीं- 27 सालों से उत्पीड़न झेल रही, गर्भपात हुआ

अलीगढ़ **(एजेंसी)**। प्रदेश की अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) से एक नया विवाद सामने आया है। यूनिवर्सिटी के पॉलिटिकल साइंस डिपार्टमेंट की सीनियर प्रोफेसर रचना कौशल ने आरोप लगाया कि वे 27 सालों से सिर्फ हिंदू होने की वजह से उत्पीड़न झेल रही हैं। इस दौरान उनका मिसकेरेज भी (गर्भपात) हो गया।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, 'डीन प्रो. मोहम्मद नफीस अहमद अंसारी कहते हैं कि हिंदू टीचर जानबूझकर मुस्लिम बच्चों को नहीं पढ़ाते हैं। तुम हिंदू हो, बीएचयू में चली जाओ।' उन्होंने कहा कि उनके पास सिर्फ कानूनी कार्रवाई का ही विकल्प बचा है। वह जल्द ही सार्वजनिक रूप से पूरे मामले का खुलासा कर मुकदमा दर्ज कराएंगी।

फिलहाल, प्रोफेसर ने कुलपति को शिकायत सौंपी है। इसमें उन्होंने ऑडियो रिकॉर्डिंग और अन्य दस्तावेज भी दिए हैं। अब मामले की जांच शुरू हो गई है। वीसी प्रो. नईमा खातून को सौंपी गई ऑडियो रिकॉर्डिंग में डीन ने हिंदू शिक्षकों के प्रति सवाल उठाए और आरोप लगाए कि वे मुस्लिम छात्रों को जानबूझकर पढ़ाई में पीछे रखते हैं। प्रोफेसर रचना कौशल ने विभागाध्यक्ष और डीन, प्रो. मोहम्मद नफीस अहमद अंसारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें 1998 से लगातार मानसिक उत्पीड़न और भेदभाव झेलना पड़ा, जिसमें उनका धर्म उनके खिलाफ इस्तेमाल किया गया। उनकी नियुक्ति 1998 में लेक्चरर के पद पर हुई थी। कुछ ही समय बाद विभाग में उनके साथ भेदभाव और मानसिक उत्पीड़न शुरू हो गया। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेरी धार्मिक पहचान मेरे खिलाफ इस्तेमाल होगी।' प्रोफेसर का कहना है कि डीन ने उनसे कहा, 'तुम हिंदू हो, बीएचयू चली जाओ। वहां मुस्लिम बच्चों का एडमिशन तक नहीं होता।'

प्रोफेसर कौशल की शादी डॉ. डीके पांडेय से हुई थी, जो एएमयू के जेएन मेडिकल कॉलेज में सीनियर प्रोफेसर थे। 2004 में जब वह जुड़वां बच्चों की उम्मीद कर रही थीं, तब भी उन पर लगातार काम के लिए दबाव डाला जाता रहा। लगातार तनाव और मानसिक उत्पीड़न के कारण उनका मिसकेरेज हो गया। बाद में 2012 में उनके पति का निधन भी हो गया।

एएमयू के डीन, प्रो. मोहम्मद नफीस अहमद अंसारी ने आरोपों का खंडन किया है। उनका कहना है कि प्रो. रचना कौशल की शिकायतों में कुछ नाराजगी है और उन पर लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं।

प्रदेश में बेटियों को बड़ा तोहफा! दो बहनें पढ़ेंगी तो एक की पढ़ाई पूरी तरह मुफ्त

योगी सरकार की तैयारी से लाखों परिवारों को बड़ी राहत

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश सरकार बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक नई और अहम पहल की तैयारी कर रही है। सरकार का प्लान है कि अगर किसी परिवार की दो सगी बेटियां एक ही स्कूल या कॉलेज में पढ़ रही हैं, तो दूसरी बेटी की ट्यूशन फीस मुफ्त कर दी जाए। इस योजना के तहत निजी और सरकारी, दोनों तरह के शैक्षणिक संस्थानों को शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिला कल्याण विभाग को इस योजना की पूरी प्रक्रिया और शर्तें तय करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कोविड महामारी के दौरान प्रभावित परिवारों के बच्चों की मदद के लिए योगी सरकार ने पहले मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना शुरू की थी। उसी दौरान मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिए थे कि अगर किसी स्कूल, कॉलेज या निजी शैक्षणिक संस्था में दो सगी बहनें पढ़ रही हों, तो संस्थान से अपील की जाए कि वह एक बच्ची की ट्यूशन फीस माफ करे। अगर कोई निजी स्कूल

या कॉलेज ऐसा करने से मना करता है, तो सरकार खुद उस छात्रा की फीस की प्रतिपूर्ति करेगी। उस समय इस योजना के लिए सर्वे भी शुरू हुआ था, लेकिन चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण इस पर रोक लग गई थी। अब एक बार फिर इस योजना को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

शासन के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में सरकारी स्कूलों में पहले से ही लड़कियों की पढ़ाई मुफ्त है। इसके अलावा कोविड से प्रभावित परिवारों के बच्चों के लिए अलग योजनाएं, शिक्षा का अधिकार और स्कॉलरशिप व फीस प्रतिपूर्ति जैसी कई योजनाएं पहले से चल रही हैं। इन योजनाओं के जरिए अधिकतर छात्राएं कवर हो जाती हैं, लेकिन जो लड़कियां किसी कारण से इन योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रही हैं, खासकर निजी स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाली जरूरतमंद छात्राएं, उन्हें इस नई योजना के तहत प्राथमिकता दी जाएगी।

पिछले महीने मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री की इस घोषणा को लागू करने की रणनीति पर चर्चा की थी। बैठक में तय किया गया कि अलग-अलग शिक्षा विभाग होने के कारण एक नोडल विभाग और सिंगल विंडो सिस्टम बनाया जाए, ताकि योजना का लाभ सही तरीके से मिल सके। इस योजना के लिए महिला कल्याण विभाग को नोडल विभाग बनाए जाने का प्रस्ताव उच्च स्तर पर भेजा गया है। नोडल विभाग आय सीमा, पात्रता, शर्तें, बजट और लाभार्थियों की पहचान को लेकर रिपोर्ट तैयार करेगा। इसके बाद योजना को अंतिम रूप देकर लागू किया जाएगा।

सीओ ने महिलाओं को दी गालियां एसएचओ ने पत्रकारों को मौके से भगाया

पुलिस की अभद्रता का वीडियो वायरल; सवालों के घेरे में खाकी!

हरदोई **(एजेंसी)**। जिले के हरपालपुर क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। हरपालपुर के क्षेत्राधिकारी (सीओ) सतेंद्र सिंह और सांडी थानाध्यक्ष राकेश यादव से जुड़े दो अलग-अलग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिनसे पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।

यह घटना हरपालपुर थाना क्षेत्र के खसौरा ग्राम पंचायत अंतर्गत दिउसीपुर गांव की है। यहां प्रशासन अवैध कब्जा हटाने के लिए कार्रवाई कर रहा था। सवायजपुर के एसडीएम मयंक कुंडू के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम गांव पहुंची।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी आदेश शुक्ला ने प्रशासन से शिकायत की थी कि उनकी जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। शिकायत के बाद टीम ने जांच की और कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान जब टीम जमीन पर पहुंची, तो कुछ ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। विरोध करते हुए कई महिलाएं अपने-अपने घरों में जमीन पर बैठ गईं और उठने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि कार्रवाई से पहले उन्हें पूरी सुनवाई और उचित प्रक्रिया का मौका नहीं मिला।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता

है कि सीओ सतेंद्र सिंह महिलाओं को जबरन उठने के लिए कह रहे हैं। जब महिलाएं नहीं उठतीं, तो उनका रवैया बदल गया। वीडियो में सीओ की आवाज में गुस्सा और अभद्र भाषा साफ सुनाई दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यह व्यवहार न सिर्फ अपमानजनक था, बल्कि कानून के रक्षक की छवि को भी धूमिल करता है। इस कार्रवाई के दौरान एक और वीडियो सामने आया, जिसमें सांडी थानाध्यक्ष राकेश यादव मीडिया के लोगों को वहां से हटाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि पत्रकार कार्रवाई की कवरेज कर रहे थे, तब थानाध्यक्ष ने उन्हें वहां से जाने को कहा। आरोप है कि पत्रकारों को यह कहकर हटाया गया कि 'यहां रुकने की जरूरत नहीं है।'

'हर समस्या का होगा समाधान', मुख्यमंत्री योगी ने लगाया जनता दर्शन, एक-एक कर सुनी 150 लोगों की फरियाद

जमीन हड़पने वालों को जेल भेजने के निर्देश

गोरखपुर **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को गोरखनाथ मंदिर में 'जनता दर्शन' के दौरान विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने इस दौरान कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार का संकल्प है। योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। उन्होंने कहा कि हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री योगी ने 'जनता दर्शन' कार्यक्रम के दौरान करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

कानपुर गैंगरेप मामला : हटाए गए डीसीपी वेस्ट दिनेश चंद्र त्रिपाठी, आरोपी पत्रकार गिरफ्तार

कानपुर **(एजेंसी)**। जिले के सचेंडी इलाके में 14 साल की लड़की के अपहरण और उससे सामूहिक बलात्कार के मामले में एक स्थानीय यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया है। मामले का आरोपी एक दारोगा अब भी फरार है। इस मामले को लेकर बड़े स्तर पर प्रशासनिक कार्रवाई की गयी है। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने कथित लापरवाही और तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने के आरोप में पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) दिनेश चंद्र त्रिपाठी को पद से हटा दिया है और सचेंडी के थानाध्यक्ष विक्रम सिंह को निलंबित कर दिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, सचेंडी क्षेत्र में 14 साल की एक लड़की को सोमवार रात करीब 10 बजे एक कार में जबरन बैठाकर अगवा किया गया था और उसके बाद उसे एक रेल पटरी के पास सुनसान जगह पर ले जाया गया जहां करीब दो घंटे तक उससे सामूहिक बलात्कार किया गया और फिर उसे बेहोशी की हालत में उसके घर के बाहर छोड़ दिया गया।

पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने संवाददाताओं को बताया, ''पीड़ित लड़की के बयान के आधार पर दारोगा अमित कुमार मौर्या और यूट्यूबर शिवबरन यादव को मुकदमे में नामजद किया गया है। यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि फरार दारोगा को पकड़ने के लिए चार टीमें बनाई गई हैं।'' उन्होंने बताया कि अपराध में इस्तेमाल की गई कार दारोगा मौर्या की है और उसे जब्त कर लिया

गया है। उनके मुताबिक, जांच में पता चला है कि बिठूर थाने में तैनात होने के बावजूद वह घटना के समय सचेंडी में मौजूद था।

इस बीच, पीड़ित लड़की के परिवार ने स्थानीय पुलिस पर मामले को दबाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब उन्होंने एक पुलिसकर्मी के शामिल होने की बात कही तो उन्हें पहले भगा दिया गया। लड़की के भाई ने बताया कि पुलिस ने उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया और जब तक अदालत में उसका बयान दर्ज नहीं हो गया तब तक उसे घर नहीं लौटने दिया।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि सचेंडी के थानाध्यक्ष विक्रम सिंह को शुरुआत में पॉक्सो अधिनियम के तहत कार्रवाई नहीं करने और केस रिकॉर्ड में तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

थलपति विजय की फिल्म पर 'सेंसर ब्लॉक'? कांग्रेस का आरोप- सत्ता का दुरुपयोग कर रही मोदी सरकार

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु कांग्रेस प्रभारी गिरीश चोडंकर ने गुरुवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया, क्योंकि तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय की फिल्म 'जना नायकन' को सेंसर सर्टिफिकेट मिलने में देरी हो रही है। चोडंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'प्रिय प्रधानमंत्री कार्यालय और नरेंद्र मोदी, अभिनेता विजय की फिल्म 'जना नायकन' से जुड़े विवाद ने राजनीतिक सत्ता के दुरुपयोग को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। राजनीतिक मतभेद समझ में आते हैं, लेकिन किसी कलाकार के काम को निशाना बनाना अस्वीकार्य है।'

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि तमिलनाडु की जनता राजनीतिक लाभ के लिए सिनेमा पर सेंसरशिप बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि कला और मनोरंजन को राजनीतिक लड़ाइयों में मोहरे के रूप में इस्तेमाल न किया जाए। चोडंकर ने कहा कि तमिलनाडु की जनता राजनीतिक लाभ के लिए सिनेमाघरों पर सेंसरशिप बर्दाश्त नहीं करेगी। हम आपसे आग्रह करते हैं कि कला और मनोरंजन को राजनीतिक लड़ाइयों में मोहरे के रूप में इस्तेमाल न होने दें। विजय की फिल्म आपके दबाव के कारण देरी का सामना कर रही है, जो निर्माताओं और प्रशंसकों के लिए अनुचित है। आइए कला से राजनीति को दूर रखें और रचनात्मक स्वतंत्रता का सम्मान करें।

कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को अभिनेता विजय से नहीं, बल्कि राजनेता विजय से मुकाबला करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मोदी, अभिनेता विजय से नहीं, बल्कि राजनेता विजय से मुकाबला करके अपने 56 इंच के सीने के दावे को साबित करें। याद रखें, आपकी धमकी भरी राजनीति तमिलनाडु में काम नहीं करेगी। उनकी ये टिप्पणियां बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जना नायकन' के बाद आई हैं, जिसे अभिनेता थलपति विजय की आखिरी फिल्म माना जा रहा है, और जिसे तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले स्थगित कर दिया गया है।

फिल्म को मूल रूप से 9 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना थी। इससे पहले दिन में, कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने प्रधानमंत्री मोदी पर तमिलनाडु के लोगों का 'अपमान' करने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी के 2017 के पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री को 'तमिल सिनेमा को दबाकर तमिल गौरव का अपमान न करने' की चेतावनी दी थी। चक्रवर्ती ने पोस्ट किया कि नौ साल पहले, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को तमिल सिनेमा को दबाकर तमिल संस्कृति और गौरव का अपमान न करने की चेतावनी दी थी। लेकिन नरेंद्र मोदी ने जानबूझकर जन नायकन को सेंसर सर्टिफिकेट न देकर और उसकी रिलीज रोककर एक बार फिर तमिल लोगों का अपमान किया है।

'मराठी मानुष' के लिए साथ आए उद्धव-राज ठाकरे बोले- भाजपा को सत्ता से बाहर करना जरूरी

मुम्बई **(एजेंसी)**। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की चाह रखने वाले लोग केंद्र और राज्य में सत्ता में हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर वे नगर निगमों पर नियंत्रण कर लेते हैं, तो 'मराठी मानुष' शक्तिहीन हो जाएंगे। राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के संयुक्त साक्षात्कार के पहले भाग में, जो गुरुवार को शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित हुआ, महाराष्ट्र निर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख ने कहा कि वे और उनके चचेरे भाई अपने अस्तित्व के लिए नहीं, बल्कि राज्य में 'मराठी मानुष' के अस्तित्व के लिए एक साथ आए हैं।

ठाकरे चचेरे भाइयों का साक्षात्कार शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य और सामना के कार्यकारी संपादक संजय राउत और जाने-माने निर्देशक महेश मांजरेकर ने लिया। दोनों भाइयों ने 15 जनवरी को होने वाले बृहन्मुंबई महानगर पालिका

(बीएमसी) चुनावों के लिए पिछले महीने गठबंधन की घोषणा की थी। राज ठाकरे ने सामना को दिए साक्षात्कार में कहा कि राज्य के बाहर से लोग न केवल आजीविका के लिए आ रहे हैं बल्कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र बना रहे हैं। उन्होंने दावा किया, 'यह एक पुराना घाव है। मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने के सपने को साकार करने के प्रयास जारी हैं।' राज ने कहा कि आज का माहौल कुछ वैसा ही है जैसा संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के दौरान था, जब गुजरात चाहता था कि मुंबई उसका हिस्सा हो जाए। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, 'मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की चाह रखने वाले केंद्र और राज्य दोनों में सत्ता में हैं।' मनसे प्रमुख ने दावा किया कि अगर वे (भाजपा) महानगर पालिकाओं पर नियंत्रण कर लेते हैं तो मराठी मानुष कुछ करने की स्थिति में नहीं रहेंगे। मनसे प्रमुख ने कहा कि अगर इस पर लगाम लगानी है, तो खासकर मुंबई, पुणे, ठाणे, नासिक, मीरा-भयंदर, कल्याण-डोम्बिवली और छत्रपति संभाजीनगर में नगर निकायों पर नियंत्रण जरूरी है। उद्धव ठाकरे ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा विकास का ढोंग तो करती है, लेकिन इससे प्रगति की बजाय विनाश होता है।उन्होंने दावा किया कि यह 'बिना योजना के विकास' है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'सरकार को खुद नहीं पता कि वह क्या करना चाहती है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से सत्ता में बैठे लोग मराठी या महाराष्ट्र से हैं लेकिन मुंबई की जनता से उनका कोई लेना-देना नहीं है। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख ने आरोप लगाया, 'वे सिर्फ ठेकेदारों के लिए काम करते हैं।

अबु आजमी बनाम रईस शेख ने बढ़ाई सपा की मुश्किलें, अखिलेश यादव का दौरा रद्द

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों से पहले, पार्टी के भीतर नए सिरे से अशांति फैल गई है। समाजवादी पार्टी (एसपी) के विधायक रईस शेख महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आज़मी के बीच राजनीतिक घमासान देखने को मिल रहा है। 3 जनवरी की बात है जब रईस शेख ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखकर अबू आज़मी की गतिविधियों पर गंभीर चिंता जताई थी। शेख ने पत्र में आज़मी पर जानबूझकर उन्हें परेशान करने और पार्टी में भारी व्यवधान पैदा करने का आरोप लगाया था। अब खबर आ रही है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बीएमसी चुनाव प्रचार का प्रस्तावित दौरा रद्द हो गया है। पार्टी के एक पदाधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।

अखिलेश को बीते दिनों लिखे गए पत्र में पत्र में रईस शेख ने आरोप लगाया है कि अबू आज़मी ने भिवंडी और मुंबई नगर निगम चुनावों में मनमाने ढंग से टिकट वितरण किया है। शेख का दावा है कि आजमी

पार्टी कार्यकर्ताओं और संभावित उम्मीदवारों के हितों की अनदेखी करते हुए मनमानी कर रहे हैं। विधायक के अनुसार, इस कुप्रबंधन से 'पार्टी सदस्यों में असंतोष पैदा हो रहा है और इन महत्वपूर्ण चुनावों में पार्टी की संभावनाएं धूमिल हो रही हैं। शेख आगे कहते हैं कि आजमी की सार्वजनिक टिप्पणियों ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। पार्टी चुनाव नतीजों के बाद दोनों के बीच की इस खींचतान पर फैसला ले सकती है। समाजवादी पार्टी मुंबई की खास सीटों के अलावा भिवंडी और आसपास के कुछ इलाकों में मजबूत मानी जाती है। पिछले चुनाव में सपा के मुंबई में सात नगरसेवक थे। जिनमें से एक भायखला और छह नगरसेवक गोवंडी से जीते थे। सपा के भायखला के प्रभाग से रईस शेख नगरसेवक रह चुके हैं। उन्होंने अपने पसंदीदा उम्मीदवार के लिए यहां से टिकट मांगा था।

कासरगोड जिला अदालत को मिली बम से उड़ाने की धमकी, ईमेल मिलते ही खाली कराया गया परिसर

कोच्चि **(एजेंसी)**। केरल के कासरगोड जिला अदालत परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब गुरुवार सुबह अदालत को बम से उड़ाने की धमकी मिली। पुलिस के अनुसार, यह धमकी सुबह करीब 11 बजे अदालत की आधिकारिक ईमेल आईडी पर प्राप्त हुई थी।

केरल की कासरगोड जिला अदालत में बृहस्पतिवार को बम रखे होने की धमकी मिली, जिसके बाद परिसर को खाली कराकर तलाशी ली गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि धमकी पूर्वाह्न करीब 11 बजे जिला अदालत

के आधिकारिक ईमेल आईडी पर प्राप्त हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'तुरंत बम निरोधक दस्ते को निरीक्षण के लिए भेजा गया और अदालत परिसर को खाली करा दिया गया। अब तक कुछ भी नहीं मिला है।'

उन्होंने बताया कि जिला पुलिस प्रमुख ने निर्देश दिया है कि अगर धमकी झूठी पाई जाती है तो मामला दर्ज कर जांच शुरू की जाए। अदालत परिसर खाली कराए जाने के बाद बाहर खड़े एक वकील ने एक टीवी चैनल को बताया कि ईमेल तमिलनाडु से आया था।

वकील ने बताया कि पुलिस ने सभी को अदालत परिसर खाली करने के लिए कहा है और तलाशी ली जा रही है। पिछले साल, राज्य में विभिन्न सरकारी कार्यालयों और यहां तक कि हवाई अड्डों को भी ईमेल के माध्यम से बम रखे होने की कई धमकियां मिली थी, जो बाद में फर्जी निकली थीं।

आम आदमी की पार्टी का चुनावी मंत्र! केजरीवाल बोले- जनता जिसे चाहेगी, आप उसे टिकट देगी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी उन आम लोगों को चुनावी टिकट देने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने काम के जरिए जनता का विश्वास और समर्थन हासिल करते हैं। लुधियाना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी पारंपरिक राजनीतिक दलों से अलग है क्योंकि यह पैसे, प्रभाव या पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर टिकट नहीं बांटती है।

केजरीवाल ने एएनआई से कहा कि आम आदमी पार्टी आम लोगों को टिकट देने वाली पार्टी है। आपको टिकट केवल आपके काम के आधार पर ही मिल सकता है। केजरीवाल उसी को टिकट देंगे जिसे जनता पसंद करती है। आप के संस्थापक सिद्धांतों को दोहराते हुए केजरीवाल ने कहा कि पार्टी का गठन आम पृष्ठभूमि के ईमानदार और सक्षम व्यक्तियों को राजनीति में लाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और जन-केंद्रित शासन के लिए किया गया था।

इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए उसे पंजाब विरोधी और सिख विरोधी बताया। मुख्यमंत्री मान ने आम आदमी पार्टी (आप) नेता आतिशी जी के वीडियो में गुरु तेग बहादुर जी के नाम का

दुरुपयोग करने के लिए भाजपा से सार्वजनिक माफी की मांग की, जिसे उन्होंने शर्मनाक कृत्य बताया। एक्स पर एक पोस्ट में, मान ने आरोप लगाया कि भाजपा ने आतिशी जी के उन शब्दों को जोड़ा है जो उन्होंने 'कभी नहीं बोले' और गुरु तेग बहादुर जी का नाम गलत तरीके से जोड़कर पूज्य सिख गुरु का अपमान किया है।

पोस्ट में लिखा था कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से पंजाब और सिखों के खिलाफ रही है। आज फिर से उसका पंजाब विरोधी और सिख विरोधी चेहरा सामने आ गया है, जब उन्होंने आतिशी जी के वीडियो में उन शब्दों को जोड़ा है जो उन्होंने बोले तक नहीं थे और उसमें गुरु साहब का नाम जोड़कर गुरु साहब का अपमान किया है। इस शर्मनाक कृत्य के लिए भाजपा को सिख समुदाय और पंजाबियों से माफी मांगनी चाहिए।

एसए20 शानदार मंच पर आईपीएल से तुलना नहीं कर सकते : जेपी डुमिनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज जेपी डुमिनी ने एसए20 लीग को दक्षिण अफ्रीका और दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए शानदार मंच करार दिया लेकिन साथ ही कहा कि इसकी तुलना इंडियन प्रीमियर लीग से नहीं की जा सकती। डुमिनी ने कहा कि एसए20 लीग की शुरुआत से स्थानीय प्रतिभावान खिलाड़ियों को दुनिया भर के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने के अधिक अवसर मिल रहे हैं जिससे देश के क्रिकेट को फायदा हो रहा है।

डुमिनी ने एसए20 द्वारा आयोजित ऑनलाइन मीडिया बातचीत के दौरान कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसे आप आईपीएल के बराबर रख सकते हैं। मेरे लिए आईपीएल गोल्ड स्टैंडर्ड है। और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। मुझे लगता है कि आप आईपीएल से जरूर सीख सकते हैं। हमारे लिए एसए20 निश्चित रूप से एक दीर्घकालीन विजन है।' उन्होंने कहा, 'और इससे भी जरूरी बात यह है कि विश्व स्तरीय ढांचे के साथ दक्षिण अफ्रीकी प्रतिभा पर जोर दिया जा रहा है। आप उस प्रतिभा को कैसे ढूंढते हैं और एक और मंच कैसे देते हैं जिससे कि बेहद दबाव वाले और शीर्ष स्तरीय माहौल के बीच दक्षिण अफ्रीकी चयनकर्ताओं को खिलाड़ियों को चुनने का मौका मिले।'

डुमिनी ने कहा, 'जब 2008-2009 में आईपीएल शुरू हुआ तो भारतीय खिलाड़ियों को दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिला। यह आपके प्रदर्शन और आपकी सोच को बेहतर बनाता है। और मुझे लगता है कि एसए20 के पास भी अब यही मौका है।' एसए20 लीग के प्रभाव का जिक्र करते हुए डुमिनी ने कहा, 'यह दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेलना है, दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना है। आपको खुद को बेहतर बनाना होगा। यह दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के साथ दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए अच्छा प्रदर्शन करके चयन के मौके पाने का अवसर है। और मुझे लगता है कि यह एक और शानदार मंच देता है।'

सनराइजर्स ईस्टर्न केप में ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार कप्तानी करने का मौका मिला है और डुमिनी ने उन्हें टीम को रास्ता दिखाने वाला नेतृत्वकर्ता बताया। उन्होंने कहा, 'वह (स्टब्स) कुछ समय से लगभग सभी प्रारूप में राष्ट्रीय टीम का हिस्सा रहे हैं और अगर उन्हें मौका नहीं मिलता तो यह उनके लिए बहुत निराशाजनक होता।

सरफराज खान ने विजय हजारे ट्रॉफी में लगाया सबसे तेज अर्धशतक

भारतीय स्टार को एक ओवर में ठोके 30 रन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट टीम में नजरअंदाज किए गए स्टार सरफराज खान ने विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में सबसे तेज हाफ-सेंचुरी लगाकर इतिहास रच दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंडिया टीम में शामिल नहीं किए गए सरफराज सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक लगाकर यह मुकाम हासिल किया। मुंबई के इस बल्लेबाज ने बड़ौदा के अतीत शेठ का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2020-21 में छत्तीसगढ़ के खिलाफ 16 गेंदों में हाफ-सेंचुरी लगाई थी। सरफराज की इनिंग इसलिए भी खास थी क्योंकि उन्होंने भारतीय स्टार अभिषेक शर्मा को एक ही ओवर में 30 रन मारे।

मुंबई के लिए खेल रहे सरफराज ने पंजाब के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया और आखिरकार 20 गेंदों में 62 रन पर खत्म अपनी पारी समाप्त की जिसमें सात चौके और पांच छक्के शामिल थे। हालांकि सरफराज की यह शानदार पारी बेकार चली गई क्योंकि मुंबई विजय हजारे ट्रॉफी के राउंड 7 का मैच पंजाब से सिर्फ एक रन से हार गई।

मुंबई ने 216 रनों का पीछा करते हुए अंगक्रिश रघुवंशी और मुशीर खान के विकेट क्रमशः 23 और 21 रन पर गंवा दिए। सरफराज ने अपनी 20 गेंदों में 62 रनों की तूफानी पारी से मुंबई को वापस पटरी पर लाया। हालांकि उन्हें मयंक मारकंडे ने आउट कर दिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने अपनी 45 रनों की पारी से पारी को संभाला लेकिन उन्हें भी मारकंडे ने आउट कर दिया। बाद में सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और हार्दिक तमोरे क्रमशः 15, 12 और 15 रन बनाकर आउट हो गए। पंजाब के लिए, गुरनूर बरार और मयंक मारकंडे ने चार-चार विकेट लिए जबकि कृष भगत और हरनूर सिंह ने एक-एक विकेट लिया।

इससे पहले पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 216 रन बनाए। रमनदीप सिंह 74 गेंदों में 72 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे। अनमोलप्रीत सिंह ने 75 गेंदों में 57 रन बनाए। मुंबई के लिए मुशीर खान ने तीन विकेट लिए जबकि ओंकार तरमाले, शिवम दुबे और शशांक अटार्डे ने दो-दो विकेट लिए। इस जीत के साथ पंजाब ग्रुप सी में पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहा। पंजाब और मुंबई दोनों ने क्वार्टर-फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

बजट से पहले एसोचैम की सरकार से बड़ी मांग, हरित इस्पात उत्पादन को मिले प्रोत्साहन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आगामी केंद्रीय बजट से पहले उद्योग निकाय एसोचैम ने सरकार से इस्पात क्षेत्र में हरित और टिकाऊ उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अहम कदम उठाने की मांग की है। एसोचैम ने हाइड्रोजन आधारित 'डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन' (डीआरआई) तकनीक को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने और इस बदलाव में इस्पात कंपनियों को रियायती दरों पर हरित वित्त उपलब्ध कराने का सुझाव दिया है।

डीआरआई तकनीक में पारंपरिक ब्लास्ट फर्नेस की जगह गैस या हाइड्रोजन की मदद से कम तापमान पर लौह अयस्क को लोहे में बदला जाता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन काफी हद तक कम होता है। उद्योग निकाय का मानना है कि इससे स्वच्छ उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और भारत वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेगा।

एसोचैम ने बजट पूर्व सुझावों में इस्पात संयंत्रों में वेस्ट-हीट रिकवरी सिस्टम को प्रोत्साहित करने और नवीकरणीय ऊर्जा आधारित निजी बिजली संयंत्र स्थापित करने की भी वकालत की है। इससे स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग में वृद्धि होगी और कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण संभव होगा।

इसके अलावा, उद्योग निकाय ने स्क्रैप संग्रह और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि इससे आयात पर निर्भरता घटेगी। इसके लिए घरेलू रीसाइक्लिंग अवसंरचना को मजबूत करने और कौशल विकास की आवश्यकता बताई गई है।

एसोचैम ने यह भी कहा कि चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक होने के बावजूद भारत का इस्पात क्षेत्र कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। कच्चे माल की ऊंची लागत, रुपए में गिरावट और आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता बड़ी समस्याएं हैं। उद्योग निकाय का मानना है कि आगामी बजट 'मेक इन इंडिया' के तहत भारत को इस्पात और मूल्यवर्धित उत्पादों का वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने का अहम अवसर प्रदान करता है। इसके लिए लौह अयस्क शोधन, आयात शुल्क में राहत और अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने की जरूरत बताई गई है।

मलेशिया ओपन : सिंधू की दमदार वापसी जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

कुआलालंपुर **(एजेंसी)**। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सिंधू ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली जापान की तोमोका मियाजाकी को महज 33 मिनट में 21-8, 21-13 से शिकस्त दी। लंबे समय तक चोट के कारण कोर्ट से दूर रहने के बाद वापसी कर रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने इस मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया। आठवीं वरीयता प्राप्त मियाजाकी के खिलाफ यह उनकी दूसरी जीत रही, जिससे दोनों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड अब 2-1 हो गया है।

पहले गेम में सिंधू ने 5-1 की बढ़त के बाद लगातार 13 अंक बटोरते हुए 18-4 की निर्णायक बढ़त बना ली और गेम आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में मियाजाकी ने थोड़ी चुनौती पेश की, लेकिन सिंधू ने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करते हुए 17-11 की बढ़त बनाई और मैच अपने नाम कर लिया।

क्वार्टर फाइनल में सिंधू का सामना चीन की गाओ फांग जी और जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

वहीं, भारतीय पुरुष खिलाड़ियों को निराशा हाथ लगी। लक्ष्य सेन को हांगकांग-चीन के ली चेउक यिउ के खिलाफ 53 मिनट चले मुकाबले में 22-20, 15-21 से हार झेलनी पड़ी। युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शी यू क्यूई को कड़ी टक्कर दी, लेकिन 70 मिनट के संघर्षपूर्ण मैच में 18-21, 21-18, 12-21 से पराजित हो गए।

ट्रंप के टैरिफ कहर से निवेशकों के डूबे 7, 68, 426.45 करोड़ रुपए, बाजार में मचा हाहाकार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला गुरुवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहा। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ऐसे बिल को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत अमरीका भारत पर रूसी तेल खरीदने पर 500 फीसदी का टैरिफ लगा सकता है। वैसे अभी तक इस बिल को संसद से मंजूरी नहीं मिली है लेकिन माना जा रहा है कि इस बिल को अमरीकी संसद का समर्थन मिल सकता है। अगर ऐसा हुआ तो आने वाले दिनों में भारत पर एक मोटा टैरिफ अमरीकी सरकार की ओर से लग सकता है। इस टैरिफ के कहर के डर की वजह से भारत के शेयर बाजार में हाहाकार मच गया और सैंसेक्स में 780 से ज्यादा अंकों की गिरावट देखने को मिली। खास बात तो यह है कि इस गिरावट की वजह से शेयर बाजार निवेशकों के 7, 68, 426.45 करोड़ रुपए डूब गए हैं।

2 जनवरी को जहां सेंसेक्स 85, 762 के स्तर पर था, वहीं आज 84, 180 के स्तर पर बंद हुआ यानि चार कारोबारी सत्रों में इंडेक्स 1, 582 अंक टूट चुका है। इस गिरावट के चलते बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन करीब 9 लाख करोड़ रुपए घट गया है।

बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, 2 जनवरी को एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 4, 81, 24, 779.35 करोड़ रुपए था। मौजूदा सत्र में यह घटकर करीब 4, 72, 25, 753.38 करोड़ रुपए रह गया यानी महज चार दिनों में निवेशकों की संपत्ति में लगभग 899, 025.97 करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं एक दिन में निवेशकों के 768, 426.45 करोड़ रुपए डूब गए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा गिरावट के पीछे ज्यादातर वजहें वैश्विक और भू-राजनीतिक हैं। सबसे बड़ी चिंता अमेरिका की टैरिफ नीति को लेकर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसे प्रस्ताव को समर्थन दिया है, जिसके तहत रूस से व्यापार जारी रखने वाले देशों पर 500 फीसदी तक टैरिफ लगाया जा सकता है। इस आशंका ने बाजार में अनिश्चितता बढ़ा दी है।

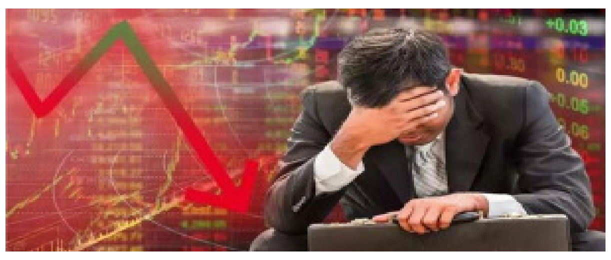

बिटकॉइन रचेगा इतिहास! एक्सपर्ट्स का दावा- 2.25 लाख डॉलर तक जा सकता है भाव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। तेज उतार-चढ़ाव से भरे 2025 के बाद बिटकॉइन एक बार फिर 2026 में निवेशकों के बीच चर्चा का केंद्र बनने वाला है। इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव्स और ग्लोबल इन्वेस्टर्स का मानना है कि बिटकॉइन नई ऊंचाइयों को छू सकता है लेकिन इसके साथ भारी वोलैटिलिटी का जोखिम भी बना रहेगा। मैक्रो इकॉनमिक हालात, रेगुलेशन और निवेशकों के सेंटीमेंट को लेकर अनिश्चितता अभी खत्म नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 को लेकर एक्सपर्ट्स के अनुमान बेहद अलग-अलग हैं। कुछ विश्लेषकों को उम्मीद है कि बिटकॉइन करीब 17इ गिरकर 75, 000 डॉलर तक आ सकता है, जबकि बुलिश कैंप इसे 150इ की छलांग के साथ 2, 25, 000 डॉलर तक पहुंचता देख रहा है। यह अंतर दिखाता है कि बाजार में भरोसे और डर–दोनों बराबर मौजूद हैं।

अक्टूबर में बिटकॉइन 1, 26, 000 डॉलर के ऑल-टाइम हाई तक पहुंचा था। इसके बाद मुनाफावसूली और मैक्रो दबाव के चलते साल के अंत तक यह करीब 80, 000 डॉलर तक फिसल गया। फिलहाल बिटकॉइन अपने रिकॉर्ड स्तर से लगभग 30इ नीचे ट्रेड कर रहा है। पिछले छह महीनों में इसमें करीब 16.4इ की गिरावट दर्ज की गई है।

2025 की शुरुआत में बिटकॉइन को अमेरिका में अपेक्षाकृत अनुकूल रेगुलेटरी माहौल का फायदा मिला। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुरुआती कार्यकाल के दौरान संस्थागत निवेश बढ़ा और बैंकों जैसी पारंपरिक वित्तीय संस्थाओं की एंट्री से कीमतों को सपोर्ट मिला। डिजिटल एसेट ट्रेजरी कंपनियों की आक्रामक खरीद ने भी रैली को हवा दी लेकिन साल के अंत में तस्वीर बदल गई।

राष्ट्रीय कोच पर लगा नाबालिग के यौन उत्पीड़न का आरोप, एनआरएआई ने उठाया सख्त कदम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने निशानेबाजी कोचिंग स्टाफ के एक प्रमुख सदस्य अंकुश भारद्वाज को निलंबित कर दिया है क्योंकि एक नाबालिग निशानेबाज ने उन पर पिछले महीने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। एनआरएआई ने पुष्टि की है कि फरीदाबाद में भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मोहाली निवासी भारद्वाज पर पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 (गंभीर यौन उत्पीड़न) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2) (धमकी देने से संबंधित) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने पीटीआई को बताया, 'एनआरएआई ने उन्हें निलंबित कर दिया है और हम उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। उन्हें नैतिक आधार पर निलंबित किया गया है। अब उन्हें खुद को निर्दोष साबित करना होगा। जांच पूरी होने तक वह किसी भी तरह की कोचिंग गतिविधि से नहीं जुड़े रहेंगे।'

भाटिया ने कहा कि एनआरएआई ने 2024 में पेरिस ओलंपिक के बाद 37 सदस्यीय

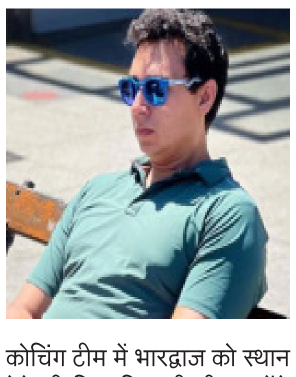

कोचिंग टीम में भारद्वाज को स्थान देने की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा, 'एनआरएआई की सिफारिश पर ही भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने उन्हें कोच नियुक्त किया था। यह सूरजकुंड में हुई यौन उत्पीड़न की घटना है।' पीड़िता ने जो प्राथमिकी दर्ज की है, उसके अनुसार, पिछले महीने करणी सिंह रेंज में एक अभ्यास सत्र के बाद यह घटना घटी थी। पिछले साल अगस्त से भारद्वाज के साथ प्रशिक्षण ले रही इस युवा निशानेबाज ने बताया कि वह इस घटना से सदमे में है और उन्होंने बार-बार पूछे जाने पर एक जनवरी को अपनी मां को इसकी जानकारी दी।

अपनी प्राथमिकी में 17 वर्षीय खिलाड़ी ने आरोप लगाया है कि भारद्वाज उसे मोहाली, पटियाला, देहरादून और दिल्ली जैसे स्थानों पर प्रशिक्षण के लिए बुलाते थे, लेकिन वह हमेशा उसी दिन घर लौट आती थी। पीड़िता ने कहा कि घटना वाले दिन वह राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए टैक्सी से अकेले ही करणी सिंह रेंज गई थी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद जब वह घर जा रही थी, तो कोच ने उसे अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए रुकने को कहा।

इस युवा खिलाड़ी ने अपनी शिकायत में बताया कि कोच ने पहले उसे फरीदाबाद के सूरजकुंड इलाके में एक होटल की लॉबी में मिलने के लिए कहा। लेकिन वहां पहुंचने पर कोच ने कथित तौर पर उसे अपने कमरे में आने के लिए मजबूर किया और कहा कि उसके प्रदर्शन को लेकर अधिक गहन चर्चा करने की जरूरत है। पीड़ित खिलाड़ी ने बताया, 'कोच ने मुझे लिफ्ट वाले एरिया में आने को कहा। जब मैं लिफ्ट वाले एरिया में गई तो कोच ने मुझसे कहा कि उन्होंने यहां एक कमरा बुक किया है, इसलिए मेरे कमरे में आ जाओ। मैं तुमसे वहां खेल के बारे में बात करूंगा।'

अब होटल की जरूरत नहीं! अपने घर का खाली कमरा ओयो को देकर हर महीने कमाएं लाखों

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अगर आपके पास कोई खाली कमर्शियल बिल्डिंग है या आप अपने पुराने होटल को एक नई पहचान देना चाहते हैं तो ओयो (ओयो) के साथ पार्टनरशिप करना एक शानदार विकल्प हो सकता है। आज के समय में अकेले होटल चलाना और ग्राहकों को ढूंढना मुश्किल काम है लेकिन ओयो जैसा बड़ा नेटवर्क आपके बिजनेस को 'ऑटो-पायलट' मोड पर डाल सकता है।

ओयो के साथ जुड़ना केवल एक ब्रांड नाम पाना नहीं है बल्कि यह आपके बिजनेस को प्रोफेशनल बनाने का एक तरीका है। आपको विज्ञापनों पर पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं। ओयो ऐप और वेबसाइट के जरिए आपकी प्रॉपर्टी करोड़ों ग्राहकों तक पहुंचती है। ओयो का 'डायनामिक प्राइसिंग' सिस्टम मांग के अनुसार कमरों का किराया खुद तय करता है जिससे ज्यादा मुनाफा होता है। बुकिंग से लेकर गेस्ट की सुविधाओं तक ओयो का सिस्टम हर कदम पर सपोर्ट देता है।

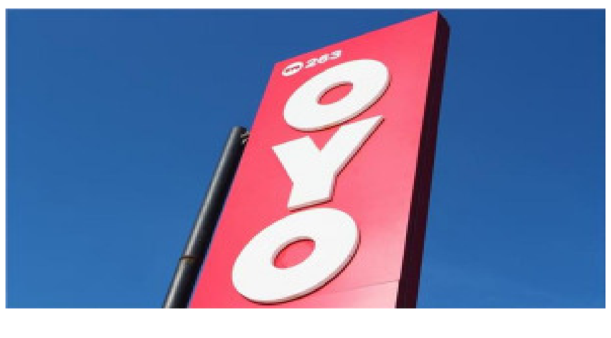

सामंथा रुथ प्रभु की नई फिल्म 'मां इंटि बंगारम' का पोस्टर रिलीज, पति राज निदिमोरु संग पहली बार जुड़ीं प्रोफेशनली

सामंथा रुथ प्रभु प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में नई ऊंचाइयों को छूने के बाद फिर से एक्शन में लौट आई हैं। 2025 की फिल्म 'शुभम' से प्रोड्यूसर के तौर पर डेब्यू करने के बाद, उन्होंने 'द फैमिली मैन 2' और 'सिटाडेलः हनी बनी' जैसे शोज के क्रिएटर राज निदिमोरू से शादी कर ली। 7 जनवरी को, उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म 'मां इंटि बंगारम' का फर्स्ट लुक जारी किया। यह फिल्म राज निदिमोरू ने बनाई है।

फिल्म में एक्टिंग करने के अलावा, सामंथा 'मां इंटि बंगारम' में प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभा रही हैं। फिल्म में गुलशन देवैया और दिगंत भी अहम भूमिकाओं में हैं, और यह 'ओह! बेबी' की पिछली सफलता के बाद डायरेक्टर नंदिनी रेड्डी के साथ उनका रीयूनियन है। सामंथा के पति और फिल्ममेकर राज निदिमोरू फिल्म के पीछे क्रिएटिव फोर्स के तौर पर जुड़े हुए हैं। इस कपल ने हाल ही में कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की।

सामंथा ने प्रोजेक्ट के मकसद

और इरादों के बारे में खुलकर बात की है। हाल ही में एक प्रेस बातचीत के दौरान, उन्होंने शेयर किया, 'हम ऐसी कहानियों के लिए एक जगह बना रहे हैं जो आपको छू जाएं, ऐसी कहानियां जो क्रेडिट्स खत्म होने के बाद भी आपके साथ रहें। 'मां इंटि बंगारम' उसी विश्वास से पैदा हुई है - यह प्यार, अपनेपन और उन रोज़मर्रा की वैल्यूज़ का जश्न मनाती है जो हमें एक साथ बांधे रखती हैं, ' सामंथा ने कहा।

एक्टिंग से प्रोडक्शन में अपने बदलाव के बारे में बताते हुए, सामंथा ने समझाया, 'एक्टर से प्रोड्यूसर बनने तक का मेरा सफर ग्रोथ का रहा है, जिसमें मैंने सीखा भी है और कुछ भूला भी है। यह ऐसी कहानियों को आकार देने पर केंद्रित रहा है जो फ्रेम से परे हों, जो दिल से बात करें।'

सामंथा रुथ प्रभु और राज निदिमोरू के डेटिंग की अफवाहें कुछ समय से चल रही थीं। इस कपल ने 1 दिसंबर, 2025 को सीधे अपनी शादी की तस्वीरें पोस्ट करके इन अफवाहों का जवाब देने का फैसला किया।

'इलेवन' के बलिदान पर मिली बॉबी ब्राउन का बड़ा बयान 'स्ट्रेंजर थिंग्स' के चौंकाने वाले अंत पर टूटा फैंस का दिल

मिली बॉबी ब्राउन ने स्ट्रेंजर थिंग्स सीज़न 5 के विवादित एंडिंग पर रिएक्ट किया, जिसने दर्शकों के बीच काफी रिएक्शन पैदा किया, जिसमें कई लोग शो के मुख्य किरदार इलेवन की किस्मत को लेकर बहुत इमोशनल हो गए। आखिरी एपिसोड में ग्रुप ने वेकना को हराने के बाद अपनी ज़िंदगी में आगे बढ़े, जिसमें कुछ किरदार कॉलेज चले गए। ब्राउन द्वारा निभाई गई इलेवन ने खुद को कुर्बान कर दिया, यह एक ऐसा पल था जिसने साथी किरदारों और फैंस दोनों को हैरान कर दिया।

टुडम से बात करते हुए, ब्राउन ने इलेवन के पीछे रुकने के फैसले को 'खूबसूरत और सुकून देने वाला' बताया, यह कहते हुए कि उन्हें लगा कि यह किरदार के लिए एक सही अंत था। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे बस लगता है कि यह बहुत ज़रूरी है कि उसके लिए सब कुछ खत्म हो जाए, और दुख और दर्द खत्म हो जाए, ' इस बात पर ज़ोर देते हुए कि इलेवन की कहानी एक ज़रूरी नतीजे पर पहुँची। सीरीज़ के क्रिएटर्स, डफर भाइयों ने बताया कि फिनाले को इस तरह से डिज़ाइन किया गया था कि हर किरदार ने वेकना को हराने में एक सार्थक योगदान दिया। मैट डफर ने कहा, 'हर किरदार के पास एक खास हुनर है, और वे इसे इस आखिरी लड़ाई में ला पाते हैं।' टीम वर्क की भावना जानबूझकर डंगऑन एंड ड्रैगन्स कैंपेन की सहयोगी भावना की याद दिलाती थी।

उन्होंने विस्तार से बताया, 'हर कोई किसी न किसी सार्थक तरीके से योगदान देता है... इस मायने में, यह डंगऑन एंड ड्रैगन्स कैंपेन के क्लाइमेक्स जैसा भी लगता है, जहाँ हर किरदार के पास एक खास हुनर होता है, और वे इसे इस आखिरी लड़ाई में ला पाते हैं।'

वेकना को हराने में इलेवन के हिस्से के लिए उसे अपने अंदर की उन क्षमताओं को 'इस्तेमाल' करने की ज़रूरत थी, जिनका उसने पहले कभी इस्तेमाल नहीं किया था। ब्राउन ने इस पल पर अपना नज़रिया शेयर करते हुए कहा, 'यह मेरे लिए बहुत नया है क्योंकि मुझे लगता है कि इसमें एक अंतिम बात है, ' जो किरदार और एक्ट्रेस दोनों के लिए सीन के अनोखे इमोशनल वज़न को दिखाता है।